ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक

संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य

सत्यपाल

कला संपादक

विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-
त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798
Qku (dk-) : +91(11) 23381428
QDl : +91(11) 23387887
पता : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003

ई–मेल
kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय-सूची

संगठनात्मक गतिविधियां

राष्ट्रीय सोशल मीडिया सम्मेलन........ 7

सरकार की उपलब्धियां

भाजपानीत राजग सरकार के दो साल........ 9
प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना........ 11

वैचारिकी

एकात्म मानववाद : एक अध्ययन
पी. परमेश्वरन्........ 12

श्रद्धांजलि

माधव सदाशिव राव गोलवलकर........ 14

लेख

कांग्रेस के लिए जबर्दस्त झटका
– अरुण जेटली........ 26

अन्य

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव........ 15
पूर्वोत्तर भारत में भाजपा की पहली सरकार........ 20
महामंत्री प्रतिवेदन........ 27
प्रधानमंत्री की ईरान यात्रा........ 29
भाजपा का राष्ट्रपति से केरल में हिंसात्मक घटनाएं रोकने का आग्रह........ 30

सोशल मीडिया से...

फेसबुक

श्री नरेन्द्र मोदी

विकास की राजनीति के लिए एक जीत... आज के परिणाम हमें और मजूबती से देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करेंगे।

श्री अमित शाह

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के क्षेत्रीय प्रक्षेपण के दौरान दाहोद में गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन वितरित किये। यह योजना एक उदाहरण है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र सरकार गरीबों की भला के लिए किस तरह से काम कर रही है। इस योजना के अंतर्गत हम 2019 तक छह करोड़ से ज्यादा गरीब परिवारों को फ्री गैस कनेक्शन पहुंचाने में हम सफल होंगे। गरीबों के जीवन के उत्थान के लिए हमने बैंकों के दरवाजे खोले, उन्हें समाजिक सुरक्षा कवच प्रदान की, उनकी रोजगारी के लिए अनेकों योजनाएं शुरू की।

twitter

श्री नरेंद्र मोदी

जो कभी बैंक नहीं गए, अब बैंक उनके पास आता है...

श्री अमित शाह

विकास और प्रगति के नए मापदंड स्थापित कर "सबका साथ-सबका विकास" की विचारधारा को चरितार्थ करती भाजपा सरकार।

श्री धर्मेन्द्र प्रधान

गरीब की रसोई से धुआं हट रहा है। मेरा देश बदल रहा है..आगे बढ़ रहा है..

श्री राजीव प्रताप रूडी

हुनर के हौसले से रोज़गार बढ़ रहा है।

पाथेय

सारा कार्य कृत्रिम यंत्र की तरह नहीं हो सकता। कृत्रिमता या यन्त्रवत् नहीं हो सकता। अपने काम के साथ-साथ अन्य कार्यकर्ता और इकाई का महत्व हमारे ध्यान में रहना चाहिये। उसके बारे में भी अपने मन में आदर का भाव रहना चाहिये। उसके बारे में भी अपने मन में आदर का भाव रहना चाहिये, सम्मान का भाव रहना चाहिये। हम अकेले सब कुछ नहीं कर सकते, सब से मिलकर ही यह काम होगा। सबको साथ मिलकर करने के भाव में निर्माण होगा। एक दूसरे की आवश्यकता अनुभव करेंगे, तो एक दूसरे के साथ चलने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। सब के साथ मिलजुल कर चलने की प्रवृत्ति बढ़ेगी और जैसे एक मशीन और उसका हर पुर्जा ठीक भी हो और उसमें ऑयलिंग, ग्रीजिंग न हो तो वह मशीन गर्म हो जाती है, टूट जाती है। अपना तो मानवीय संगठन है। इसमें तो यह और जरूरी है और इसलिए आपस में स्नेह पारिवारिकता का भाव होना जरूरी है। यात्रा में कठिनाइयां आती हैं, लेकिन इसी भाव के कारण हम एक-दूसरे के सम्बल बनते हैं।

- कुशाभाऊ ठाकरे

‘कश्मीर हो या गोहाटी, अपना देश अपनी माटी!’

असम की जीत एक ऐतिहासिक जनादेश है, एक भारी जनादेश! यह भाजपा के अनवरत् संघर्षो और इसके द्वारा निरंतर उठाये गये मुद्दों की जीत है। यह केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि विचारधारा की विजय है। देश के चुनावी इतिहास में पहली बार भाजपा ने असम में सरकार बनाई है। यह भाजपा के लिए बहुत ही भावनात्मक एवं बड़ा क्षण है। दशकों से की गई मेहनत एवं संघर्षो का परिणाम है। यह एक ऐसी गाथा है जिसे भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने बलिदान व नेतृत्व एवं विचारधारा के प्रति अटूट विश्वास से लिखा है। इससे भाजपा के हर उस कार्यकर्ता जो देश के हर भाग में कमल खिलाने के लिए जी-जान से जुटे हैं, का आत्मबल एवं उत्साह कई गुणा बढ़ेगा। भाजपा के इस ऐतिहासिक विजय से लोगों का पार्टी के प्रति बढ़ता विश्वास प्रकट होता है, जबकि भाजपा को असम में प्रबल जनसमर्थन मिला है, केरल और पश्चिम बंगाल में वोट प्रतिशत में पार्टी ने भारी बढ़त बनायी है। कांग्रेस के लिए यह बड़ी हार है, इसने दो और प्रदेश खो दिये। वास्तव में लोगों ने सकारात्मक राजनीति पर अपना विश्वास जताया तथा कांग्रेस का नकारात्मक राजनीति के ग्रास बनने से इंकार कर दिया।

पांच राज्यों में हुए चुनावों के परिणाम से एक बार फिर लोकतंत्र की शक्ति परिलक्षित हुई है और जनता ने अपनी आवाज बुलंद की है। एक ओर जहां असम में लोगों ने भाजपा को भारी समर्थन दिया है, वहीं केरल एवं पश्चिम बंगाल में लोग भाजपा के करीब आ रहे हैं। ये परिणाम भविष्य की ओर संकेत करते हैं। एक समय हिंदी भाषी राज्यों की पार्टी समझी जाने वाली भाजपा ने अब पूरे देश में मजबूत उपस्थिति दर्ज कर ली है और तेजी से नये क्षेत्रों में अपनी पांव जमा रही है। पश्चिम बंगाल में अपने साथियों समेत भाजपा ने छह सीटें जीती हैं और पिछले विधानसभा चुनावों की तुलना में अपना मत-प्रतिशत लगभग दुगुना कर लिया है। केरल के परिणाम तो पार्टी के लिए और भी अधिक उत्साहवर्धक रहे- जहां पार्टी ने पहली बार एक सीट प्राप्त की, वहीं सात सीटों पर द्वितीय स्थान तथा अनेक सीटों पर 40,000 से अधिक मत प्राप्त किए। यह एक बड़ी उपलब्धि है और यह कहा जा सकता है कि भाजपा केरल में एक बड़ी ताकत बनकर उभर रही है। यह हमेशा कठिन होता है कि दो स्थापित राजनैतिक गठबंधनों के बीच तीसरी पार्टी एक शक्ति के रूप में उभर पाये पर अब केरल एवं पश्चिम बंगाल में ऐसा ही होता दिख रहा है। पश्चिम बंगाल में जहां कम्युनिस्ट-कांग्रेस गठजोड़ ममता बनर्जी के सामने कमजोर विकल्प साबित हुई वहीं केरल में यूडीएफ-एलडीएफ के बीच के ध्रुवीकरण को दरका कर भाजपानीत गठबंधन अपना स्थान बनाने में सफल प्रतीत हो रहा है। यदि यह प्रक्रिया और भी अधिक तेज होती है तो यह कहने में किसी को कोई गुरेज नहीं होगा कि आने वाले लोकसभा चुनावों में इन दोनों राज्यों में भाजपा को अप्रत्याशित सफलता मिलेगी।

एक ओर जहां कांग्रेस दिन-प्रतिदिन रसातल की ओर जा रही है वहीं दूसरी ओर इसका नेतृत्व इस वास्तविकता को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। यह अपने काल के कुशासन, भ्रष्टाचार एवं भाई-भतीजावाद का मूल्य चुका रही है। वंशवादी राजनीति में इसके ‘अंधभक्ति’ से जनता को विश्वास इन पर से उठ चुका है तथा इसके सिद्धांतहीन गठजोड़ों ने इसकी राजनैतिक विश्वसनीयता को कुंद कर दिया है। यह अवसरवाद एवं सिद्धांतहीन राजनीति का पर्याय बनकर रह गई है। इस बार पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने ऐसी ताकत से गठजोड़ किया कि इसके जवाब में जनता ने दोनों को सबक सिखाया। कांग्रेस और कम्युनिस्ट अपनी अवसरवादी राजनीति के तहत कई बार साथ आये पर हर बार जनता

ने चुनावों में उन्हें धूल चटाया। दोनों अब इतिहास के पन्नों में दफन होने की जद्दोजहद में हैं, देश को इनसे अब भविष्य की कोई आशा नहीं बची।

उत्तर-पूर्व एवं दक्षिण में भाजपा का उभार केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के द्वारा किए गये लोकप्रिय कार्यों पर जनता की मुहर है। प्रधानमंत्री ने न केवल उत्तर-पूर्व के कार्यों को जबरदस्त प्राथमिकता दी, बल्कि अपने प्रवासों से जनविश्वास अर्जित करने में सफलता प्राप्त की। साथ ही भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह द्वारा उन राज्यों पर बल देना, जहां भाजपा पारंपरिक रूप से बहुत मजबूत नहीं थी, का सुखद परिणाम अब आने लगा है और पार्टी सदस्यता अभियान, जिससे भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बन गई, का चुनावी लाभ प्राप्त करने में सफलता प्राप्त हुई है। यह वास्तव में उन करोड़ों कार्यकर्ताओं का सपना साकार होने जैसा है जो 'कश्मीर हो या गुवाहाटी, अपना देश, अपनी माटी' के नारे लगाकर दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आज भाजपा जम्मू-कश्मीर और असम दोनों राज्यों में सरकार में है। आज जब देश के कोने-कोने में लोग भाजपा पर अपना विश्वास व्यक्त कर रहे हैं, पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का दायित्व भी कई गुणा बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में एक नये भारत का निर्माण हो रहा है और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह भविष्य को ध्यान में रखकर एक अभिनव संगठन के निर्माण को संकल्पबद्ध हैं। जनता इन पहलों का पूरे उत्साह से खुले दिल से स्वागत कर रही है। भारत विश्व पटल पर अपनी जबरदस्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है। इस परिवर्तन का स्वागत के लिए हमें तैयार रहना पड़ेगा। ■

वसुधैव कुटुम्बकम की भावना मजबूत हो : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने महाकाल की नगरी उज्जैन में चल रहे सिंहस्थ कुम्भ में समरसता सम्मेलन में भाग लिया और संतों के साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहलुओं पर चर्चा की, तदोपरांत उन्होंने पवित्र क्षिप्रा नदी में कुम्भ स्नान किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ओर से सभी संतों को सादर नमन किया और विश्व कल्याण की मंगलकामना की।

भाजपा अध्यक्ष ने इस अवसर पर कुम्भ के महात्म्य की चर्चा करते हुए कहा कि कुम्भ आध्यात्मिक परिचर्चा और पूरे देश एवं दुनिया के संतों का समागम स्थल है।

उन्होंने कहा कि प्रबंधन की दृष्टि से कुम्भ का आयोजन एक आश्चर्य का विषय है। उन्होंने कहा कि आज काफी पवित्र दिन है, आज श्री शंकराचार्य का जन्मदिन है। श्री शाह ने कहा कि सनातन धर्म के पुनरुद्धार और वैदिक व्यवस्था के पुनर्स्थापन का श्रेय पूज्यपाद देव-अंश आदिशंकराचार्य को जाता है।

श्री शाह ने कहा कि मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे आज कुम्भ स्नान के समय सभी श्रेष्ठ संतों का आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक ऐसी लोक-कल्याणकारी सरकार विद्यमान है जो देश की संस्कृति और परंपरा को मजबूत करना चाहती है और उसको आगे ले जाना चाहती है।

उन्होंने कहा कि इस सिंहस्थ कुम्भ के माध्यम से मैं ईश्वर से कामना करता हूं कि दुनिया के समस्त जीवों का कल्याण हो, प्राणिमात्र में सद्भावना हो और सभी लोगों में वसुधैव कुटुम्बकम की भावना मजबूत हो। ■

भाजपा ने भ्रष्टाचारविहीन पारदर्शी सरकार दी : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 22 मई को को कंस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली में आयोजित भाजपा के राष्ट्रीय सोशल मीडिया सम्मेलन को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा-नीत एनडीए सरकार के मिशन और विजन पर विस्तार से प्रकाश डाला। मोदी सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में श्री शाह ने सोशल मीडिया वालंटियर्स का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपने पिछले लोक सभा चुनाव और मोदी सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए अथक प्रयास किया है, इसके लिए आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन करता हूं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र की हमारी सरकार कागजी योजना पर काम करना नहीं चाहती, बल्कि नींव से लेकर ऊपर तक आमूल-चूल परिवर्तन के लिए काम करना चाहती है, यह सरकार चुनाव जीतने के लिए नहीं बल्कि भारत को विश्व का सिरमौर बनाने के लिए काम करना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का क्षण-क्षण और शरीर का कण-कण भारत माता को समर्पित है। उन्होंने कहा कि एक भी चीज ऐसी नहीं है, जिसका एक प्लानिंग के साथ इम्प्रूवमेंट नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जहां एक ओर गांव का विकास कर रही है, वहीं दूसरी ओर शहर का भी विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर हम गावों में 24 घंटा बिजली पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं, गांवों को रोड से जोड़ने का काम कर रहे हैं, सस्ती दवाइयों की दुकानें खोल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक्सप्रेस हाइवे, नेशनल हाइवे, बुलेट ट्रेन और बंदरगाहों को हाइवे से जोड़ने का इंफ्रास्ट्रक्चर का भी काम हम कर रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने संतुलित विकास का एक बेहतरीन मॉडल दुनिया के सामने पेश किया है। उन्होंने कहा कि उद्योगों के साथ-साथ कृषि के विकास को प्राथमिकता देकर श्री नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने विकास की एक नई कहानी लिखी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने रिफॉर्म्स के साथ-साथ जन-कल्याण का बेहतरीन विकास मॉडल देश और दुनिया के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि हमने किसानों की भलाई के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा, स्वायल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना और ई-मंडी जैसी इनिशिएटिव को इम्प्लीमेंट करने का काम किया है।

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए की 10 वर्षों की सरकार पालिसी पैरालिसिस की शिकार थी, विकास दर काफी धीमी थी, भ्रष्टाचार और घोटाले चरम पर थे। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से लेकर पाताल तक कांग्रेस सरकार ने घोटाले ही घोटाले किये। उन्होंने कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि हमने पिछले दो वर्षों में एक भ्रष्टाचार विहीन पारदर्शी सरकार देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में भ्रष्टाचार का एक भी

मामला सामने नहीं आया है और हमें विश्वास है कि अगले पांच वर्षों में भी भ्रष्टाचार का एक भी मामला सामने नहीं आयेगा।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारी विदेश नीति और रक्षा नीति बेहतर हुई है। पड़ोसी देशों के साथ-साथ विश्व के अन्य ताकतवर देशों से सम्बन्ध बेहतर हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में भारत और भारतीयों के मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री के विदेशी दौरे की चर्चा करते हुए श्री शाह ने कहा कि पहले के मुकाबले दौरे तो कम हुए हैं लेकिन काम ज्यादा हुआ है और इस पर चर्चा ज्यादा हुई है, पहले तो पता ही नहीं चलता था कि प्रधानमंत्री कहां गए और डेवलपमेंट के क्या-क्या काम हुए।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा हमारी सरकार ने स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया और मुद्रा योजना के माध्यम से बेरोजगारी दूर करने के लिए लॉन्ग टर्म प्लान बनाया है। उन्होंने कहा कि देश भर के लाखों करोड़ों युवा इन योजनाओं के माध्यम से देश के नवनिर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि नमामि गंगे, स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी जन-समस्याओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने जन-आंदोलनों में तब्दील करने का काम किया है जिसके सुखद परिणाम आज धरातल पर दिखने शुरू हो गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया वालंटियर्स का आह्वान करते हुए कहा कि मोदी सरकार की इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास होना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की कार्यशैली की चर्चा करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पहले योजनाओं का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था, इसलिए प्रधानमंत्री जी ने सबसे पहले भ्रष्टाचार उन्मूलन का अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि इसके तहत सर्वप्रथम 'पहल' योजना की नींव रखी गई जिसके जरिये गरीबों को मिलनेवाली सब्सिडी को डायरेक्ट लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किया गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की इस पहल से 14000 करोड़ रुपये से अधिक राशि की बचत हुई जो पहले भ्रष्टाचार और कालाबाजारी की भेंट चढ़ जाती थी।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 'पहल' की सफलता के बाद प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने 'गिव इट अप' इनिशिएटिव के जरिये समाज के संपन्न लोगों से गैस सब्सिडी छोड़ने की अपील की ताकि इस योजना को अधिक-से-अधिक गरीब परिवारों तक पहुंचाया जा सके। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की इस अपील के आशातीत परिणाम सामने आये, लोगों ने प्रधानमंत्री जी के इस कैम्पेन को जबर्दस्त समर्थन दिया, लगभग एक करोड़ से ज्यादा लोगों ने अपने गरीब भाइयों के लिए अपनी सब्सिडी छोड़ी और इस योजना को जमीन पर उतारने का काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व पर लोगों का कितना भरोसा है, इसका इससे बड़ा कोई और उदाहरण नहीं हो सकता।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से अब तक एक करोड़ से अधिक परिवारों को फ्री गैस कनेक्शन दिया जा चुका है, 2019 तक छह करोड़ से ज्यादा गरीब परिवारों तक फ्री गैस कनेक्शन पहुंचाने में हम सफल होंगे।

2015 की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 2015 में भारत में अब तक का सबसे ज्यादा यूरिया खाद का उत्पादन हुआ, 2015 में भारत में अब तक का सबसे ज्यादा मिश्रित ईंधन के रूप में एथेनोल का उत्पादन हुआ, 2015 में ग्रामीण गरीबों को अब तक के सबसे ज्यादा घरेलू गैस कनेक्शन जारी किए गए, 2015 में अब तक का सबसे ज्यादा कोयले का उत्पादन हुआ, 2015 में अब तक का सबसे ज्यादा बिजली उत्पादन हुआ, 2015 में बड़े बंदरगाहों से अब तक की सबसे ज्यादा मात्रा में सामान की आवाजाही हुई, 2015 में अब तक के सबसे ज्यादा किलोमीटर नए राजमार्ग बनाये गए, 2015 में भारत का अब तक का सबसे ज्यादा मोटर गाड़ी का उत्पादन किया गया और 2015 में भारत के अब तक सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा भंडार अर्जित किया गया।

सोशल मीडिया वालंटियर्स का आह्वान करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार की उपलब्धियों की सूची बहुत बड़ी है लेकिन इसको हम अकेले जनता तक नहीं पहुंचा सकते, इसमें आपका सहयोग अपेक्षित है, आपके मदद के बगैर यह सारा काम नहीं हो सकता, इसलिए मैं आपके पास आपसे मदद मांगने आया हूं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार देश को विश्वगुरु बनाना चाहती है, भारत की संस्कृति का विस्तार करना चाहती है और देश के गांव, गरीब, किसान, युवा एवं मजदूरों की भलाई के लिए अनवरत काम करना चाहती है। ■

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प ही 'बदलाव के लिए सुधार' लाना है : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 26 मई को भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया और केंद्र की भाजपा सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की।

विकास पर्व के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर बोलते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कल से लगातार 15 दिनों तक मोदी सरकार के दो साल की विकास यात्रा को जनता के बीच लेकर जाएगी और प्रेस कांफ्रेंस, युवा सम्मेलन, बुद्धिजीवी वर्ग के साथ विभिन्न मुद्दों पर परिचर्चा एवं जन-संवाद जैसे कार्यक्रमों के द्वारा एक बड़ा जन-संपर्क अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं या रही हैं, हमारी परम्परा रही है जनता को अपने कामों का हिसाब देने की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सभी मंत्री, हमारे सांसद, विधायक एवं संगठन पदाधिकारी देश के कोने-कोने में जाएंगें, गांवों में रात्रि निवास करेंगे और केंद्र सरकार द्वारा गांव, गरीब, किसान, दलित, पिछड़े, मजदूर एवं युवाओं के कल्याण के लिए किये जा रहे कार्यक्रमों पर जनता के साथ सीधे चर्चा करेंगे।

मोदी सरकार: एक निर्णायक सरकार

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हमने इन दो सालों में देश को एक निर्णायक सरकार देने का काम किया है, जो देश के विकास एवं जन-कल्याण के लिए त्वरित फैसले करती है, उसके लिए नीतियां बनाती है और साथ ही राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ उन नीतियों का क्रियान्वयन भी कराती है। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए अनवरत काम करने वाली ऐसी सरकार देश में लम्बे समय बाद आई है।

भ्रष्टाचार-मुक्त भारत का सपना हो रहा साकार

मोदी सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस के यूपीए गठबंधन के शासनकाल में देश भर में सर्वत्र अराजकता का माहौल था, भ्रष्टाचार और घोटाले चरम पर थे, भय का माहौल था, पॉलिसी पैरालिसिस की स्थिति बनी हुई थी। उन्होंने कहा कि अटल जी के समय देश के विकास की जो गाथा हमने शुरू की थी, उसे 10 साल में यूपीए ने बर्बाद कर दिया जबकि इन दो वर्षों में हमने जनता के सभी समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाये हैं और इसे लॉजिकल एंड तक ले जाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमने इन दो वर्षों में भ्रष्टाचार विहीन सरकार देने का काम किया है, विरोधी भी हम पर भ्रष्टाचार का को आरोप नहीं लगा सके हैं।

श्री शाह ने कहा कि भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ने में हम काफी हद तक सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सुधारों के द्वारा हमने भ्रष्टाचार को ख़त्म करने में काफी सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि कोल ब्लॉक, टूजी स्पेक्ट्रम, एफएम रेडियो बंद और अन्य खनिज ब्लॉक की नीलामी से हमने अप्रत्याशित सफलता अर्जित की है। उन्होंने कहा कि इन दो वर्षों में हमने देश में एक भ्रष्टाचार-मुक्त और सुशासन युक्त पारदर्शी सरकार देने का काम किया है।

आर्थिक उपलब्धियां: 21वीं शताब्दी भारत की

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने लगातार पिछले दो वर्षों से हर क्षेत्र में शानदार और उत्कृष्ट काम करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के प्रगतिशील आर्थिक सुधारों, देश के आम नागरिकों के जीवन-स्तर को ऊंचा उठाने के लिए लाई गई अनूठी योजनाओं, प्राकृतिक संशाधनों का कुशल प्रबंधन और बुनियादी सुविधाओं को तेज गति से उन्नत करने के अनवरत प्रयासों का ही नतीजा है कि तमाम अंतराष्ट्रीय एजेंसियों ने भारत को सबसे तेज गति से विकास करनेवाली अर्थव्यवस्था माना है, इसे हरेक मामले में पॉजिटिव रेटिंग दी है और भारत का भविष्य उज्ज्वल बताया है वह भी तब जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, आज फिर से दुनिया ये मानने लगी है कि 21वीं शताब्दी भारत की शताब्दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए संभव हो सका है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प ही 'बदलाव के लिए सुधार' लाना है।

मोदी सरकार की आर्थिक उपलब्धियों का जिक्र करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आर्थिक मोर्चे पर मोदी सरकार ने सफलता के कई नए आयाम स्थापित किये हैं। उन्होंने कहा कि भारत लगातार दुनिया की सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है, जीडीपी रेट लगातार 7.5 प्रतिशत से ऊपर बना हुआ है, महंगाई दर कंट्रोल में है, एफडीआई इक्विटी इनलो में रिकॉर्ड उछाल आया है, राजकोषीय घाटा में कमी आई है, विदेशी मुद्रा भंडार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और यह रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में हमारी स्थिति काफी सुधरी है, जीरो रेड

टेप की मदद से ठप पड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया है और सेवा क्षेत्र के आउटपुट में भारी वृद्धि दर्ज की गई है।

गरीबी उन्मूलन मोदी सरकार की प्राथमिकता

भाजपा अध्यक्ष ने देश से गरीबी उन्मूलन की केंद्र सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमने गरीब परिवारों के लिए बैंकों के दरवाजे खोले, उनका बैंक अकाउंट ओपन कराया, उनके बैंक अकाउंट को जीवन ज्योति बीमा, जीवन सुरक्षा बीमा और अटल पेंशन योजना के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा कवच से जोड़ा और डीबीटी के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि गरीबों की सब्सिडी सीधे उनके ही बैंक खाते में पहुंचे। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के एक अपील पर देश के लगभग एक करोड़ लोगों ने अपनी सब्सिडी छोड़ी ताकि गरीबों के घरों में सिलेंडर पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि 'पहल' को क्रियान्वित कर हमने लगभग 14000 करोड़ रुपये बचाए जिससे हम प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से हम देश के गरीब परिवारों तक मुफ्त गैस कनेक्शन पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2019 तक हम लगभग 6 करोड़ घरों तक मुफ्त गैस कनेक्शन पहुंचाने में सफल होंगें।

विकास चला गांवों की ओर

भाजपा अध्यक्ष ने कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की मोदी सरकार गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा जा रहा है, 2022 तक हर गरीब को छत देने की योजना पर काम तेज गति से काम हो रहा है, देश के हर गांव के विद्युतीकरण पर तेज गति से काम चल रहा है, बिजली खपत को कम करने के लिए लेड बल्बों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है, राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा है, हर पंचायत के विकास के लिए 2 लाख करोड़ रुपये की योजना बनाई गई है, गोकुल मिशन से पशुपालन को बढ़ावा दिया जा रहा है और अच्छी शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है।

बेरोजगारी को ख़त्म करने की निर्णायक पहल

श्री शाह ने कहा कि देश से बेरोजगारी को ख़त्म करने के लिए हमने काफी सराहनीय काम किया है, मुद्रा बैंक के माध्यम से लाखों-करोड़ों युवाओं को हमने स्वाबलंबी बनाने की पहल की है जो अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना - इन चारों योजनाओं के माध्यम से रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित किये गए हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ लेकर लगभग 5 करोड़ लोग स्वरोजगार शुरू कर चुके हैं और अपनी जीविका का निर्वहन कर रहे हैं जो कि एक महत्त्वपूर्ण बदलाव है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से हमने स्वरोजगार और एंटरप्रेन्योरशिप के लिए माहौल बनाया है और विकास में पिछड़ गए लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। श्री शाह ने कहा कि हमने हर 15 दिन में एक नया इनिशिएटिव लांच किया और सही तरीके से इसे इम्प्लीमेंट किया है।

किसानों की भला के लिए प्रतिबद्ध

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने किसानों की भला के लिए क महत्त्वपूर्ण इनिशिएटिव की आधारशिला रखी है। उन्होंने कहा कि हमने किसानों के फसलों के नुकसान पर मिलने वाले मुआवजे के पैमाने को बदला और प्रधानमंत्री फसल बीमा के माध्यम से हमने किसानों को सुरक्षित और समृद्ध बनाने की दिशा में ठोस पहल की है। उन्होंने कहा कि मिट्टी की गुणवत्ता को सुधारने और पैदावार बढ़ाने के लिए हमने स्वायल हेल्थ कार्ड की योजना लांच की, हमने लैब को लैंड तक पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हर खेत को पानी देने के लिए हमने प्रधानमंत्री लसचा योजना की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसलों के उचित मूल्य के लिए हमने इ-मंडी पोर्टल लांच किया, नीम कोटेड यूरिया के द्वारा हमने यूरिया की कालाबाजारी पर अंकुश लगाया और ऐसा पहली बार हुआ है कि देश में कहीं भी यूरिया की को किल्लत नहीं हुई ।

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर खासा ध्यान

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास पर हमारी सरकार खासा ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय 2-4 किलोमीटर प्रतिदिन के हिसाब से हाइवे का निर्माण हुआ करता था जबकि आज लगभग 18 किलोमीटर हाइवे का निर्माण प्रतिदिन हो रहा है। उन्होंने कहा कि सागार्माला परियोजना और गंगा एवं ब्रह्मपुत्र में दो जलमार्गों का निर्माण किया जा रहा है, नए बंदरगाहों का निर्माण और पुराने बंदरगाहों का विकास किया जा रहा है, शिपिंग कारपोरेशन पहली बार मुनाफ़ा अर्जित करने में सफल रही है।

जन समस्याओं को बनाया जन-आंदोलन

श्री शाह ने कहा कि उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, नमामि गंगे प्रोजेक्ट और राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान जैसी जनोपयोगी योजनाओं ने देश की दशा और दिशा बदली है, हमने जनता की समस्याओं को जन आन्दोलनों में तब्दील कर उनके दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कदम उठाये हैं जिसके फलस्वरूप लोगों के जीवन में व्यापक पैमाने पर बदलाव लाने में हम सफल हुए हैं।

2015: अर्जित उपलब्धियों की एक लम्बी फेहरिश्त

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अगर 2015 की अर्जित उपलब्धियों का जिक्र किया जाय तो रिकार्डों की एक लम्बी फेहरिश्त बन जाती है, जैसे, 2015 में भारत में आजादी के बाद सबसे ज्यादा यूरिया खाद का उत्पादन हुआ, सबसे ज्यादा मिश्रित ईंधन के रूप में एथेनोल

शेष पृष्ठ 21 पर

सरकार की उपलब्धियां : प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

महिला सशक्तिकरण से बड़ी कोई योजना नहीं : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गुजरात के दाहोद में गरीब महिलाओं को फ्री गैस कनेक्शन वितरित किया। इस अवसर पर उन्होंने गरीबों के घरों में उजाला लाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया और इस योजना की सफलता के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और पेट्रोलियम मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान को बधाई दी। इस अवसर पर गुजरात की मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद थे।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एक उदाहरण है कि प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार गरीबों की भलाई के लिए किस तरह से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना को समझने के लिए हमें पहले 'पहल' योजना और 'गिव इट अप' इनिशिएटिव को समझना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार जिस तरह से देश के खजानों को खाली छोड़कर गई थी, ऐसे में किसी भी सरकार के लिए गरीबों के लिए योजनाएं बनाना और उसे गरीबों तक पहुंचाना लगभग असंभव-सा था। श्री शाह ने कहा कि पहले योजनाओं का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था, इसलिए प्रधानमंत्री जी ने सबसे पहले भ्रष्टाचार उन्मूलन का अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि इसके तहत सर्वप्रथम 'पहल' योजना की नींव रखी गई जिसके जरिये गरीबों को मिलनेवाली सब्सिडी को डायरेक्ट लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किया गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की इस पहल से 13000 करोड़ रुपये से अधिक राशि की बचत हुई जो पहले भ्रष्टाचार और कालाबाजारी की भेंट चढ़ जाती थी। उन्होंने कहा कि यह बचत राशि सरकार की तिजोरी में नहीं गई, बल्कि इससे केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा गरीबों के घरों में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से उजाला पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 'पहल' की सफलता के बाद प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने 'गिव इट अप' इनिशिएटिव के जरिये समाज के संपन्न लोगों से गैस सब्सिडी छोड़ने की अपील की, ताकि इस योजना को अधिक-से-अधिक गरीब परिवारों तक पहुंचाया जा सके। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की इस अपील के आशातीत परिणाम सामने आये, लोगों ने प्रधानमंत्री जी के इस कैम्पेन को जबर्दस्त समर्थन दिया, लगभग एक करोड़ से ज्यादा लोगों ने अपने गरीब भाइयों के लिए अपनी सब्सिडी छोड़ी और इस योजना को जमीन पर उतारने का काम किया।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से अब तक एक करोड़ से अधिक परिवारों को फ्री गैस कनेक्शन दिया जा चुका है, 2019 तक छह करोड़ से ज्यादा गरीब परिवारों तक फ्री गैस कनेक्शन पहुंचाने में हम सफल होंगे। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण से बड़ी कोई योजना नहीं

शेष पृष्ठ 25 पर

एकात्म मानववाद : एक अध्ययन

✍ पी. परमेश्वरन

एकात्म मानववाद भाजपा का मूल दर्शन है। वर्तमान समय में साम्यवाद और समाजवाद के विकल्प के रूप में एकात्म मानववाद सभी समस्याओं के हल का मार्ग बताता है। हम यहां विवेकानंद केन्द्र के अध्यक्ष एवं चिंतक श्री पी.परमेश्वरन का एक महत्वपूर्ण आलेख प्रकाशित कर रहे हैं। प्रस्तुत है प्रथम भाग :-

एशियाई महाद्वीप उभार पर है। लेकिन एशिया एकजुट शक्ति नहीं है और न ही इसकी एक साझी सभ्यता है। दो प्रमुख प्रतियोगी चीन और भारत भावी सुपर शक्तियों के रूप में उभर रहे हैं। दोनों में से, चीन कई मायनों में आगे है जो चीन को तात्कालिक विजेता मानने के लिए विश्व शक्तियों को मजबूर करता है। पूरी संभावना है कि निकट भविष्य में चीन विश्व परिदृश्य पर वर्चस्व जमाएगा। लेकिन यह एक लंबे समय तक नहीं चलने वाला है। दुनिया ऐसी हावी महाशक्ति के अधीन नहीं रहना चाहेगी, खासकर तब जबकि यह तानाशाह है, लोकतांत्रिक नहीं है। पूरी संभावना है कि इसका परिणाम भारत के पक्ष में हो। यह केवल समय की बात है। लेकिन इस बीच, भारत को अपनी सांस्कृतिक और सभ्यतागत प्रतिभा से आवश्यक और अपेक्षित भूमिका को निभाने के लिए खुद को पहले से तैयार करने की जरूरत है।

वास्तव में गंभीर सवाल है जिसका भारत को सामना करना है, सभ्यता का कौन सा मॉडल और कौन से मौलिक मूल्य भारत, जो कि वर्तमान संकट के लिए एक उपयुक्त विकल्प प्रदान करने में सक्षम है, दुनिया के सामने पेश करेगा। यह केवल सैद्धांतिक या वैचारिक प्रतिमान की बात नहीं है, लेकिन एक सार्वभौमिक अपील के साथ एक व्यावहारिक और व्यवहार्य समाधान की बात है। इसका मतलब है कि यह स्थायी और समावेशी, सहिष्णु और न्यायसंगत होना चाहिए। जीवन के सभी क्षेत्रों में इस तरह का एक मॉडल विकसित किया जाना है कि दुनिया उसकी सराहना कर सके और उनके कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त और उपयोगी समानताएं भी निकाल सके। कम से कम आने वाले पीढ़ी के लिए यह भारत के लिए मुख्य काम हो जाएगा। लेकिन अहम सवाल है कि क्या प्रमुख नीति निर्माताओं को पर्याप्त रूप से या अस्पष्ट रूप से भी इन शक्तिशाली चुनौतियों के बारे में पता है जिनका हम सामना कर रहे हैं?

II

यह स्थिति उस स्थिति के समान लगती है जो भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की शुरुआत में विद्यमान थी। संदर्भ था संपर्क और दो बिल्कुल भिन्न सभ्यताओं के बीच टकराव, जिसमें भारत पूर्व की सबसे पुरानी उत्तरजीवी सभ्यता का प्रतिनिधित्व कर रहा था और ब्रिटिश अपेक्षाकृत नई पश्चिमी सभ्यता का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। हालांकि साम्राज्यवादी व्यापारियों के वेश में आए थे, उनका असली मकसद एक साम्राज्य स्थापित करने और यहाँ के समृद्ध संसाधनों का दोहन कर के खुद को समृद्ध करने का था। ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ-साथ ईसाई मिशनरी भी आए। एक दूसरे का समर्थन करते हुए। कंपनी ने पहले व्यापारिक केंद्र स्थापित किए फिर उसके बाद अपना शासन, जबकि मिशनरियों ने हिंदुओं को ईसाई धर्म में परिवर्तित कर उनकी 'आत्माओं की फसल काटी'। दोनों उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए उन्होंने लोगों के मन जीतने के लिए शैक्षणिक संस्थान आरंभ किए। जैसे-जैसे शिक्षा का प्रसार हुआ और धर्मांतरण में वृद्धि हुई, हिंदुओं ने स्थिति की गंभीरता का एहसास करना शुरू किया और प्रतिक्रिया आरंभ कर दी। प्रतिक्रियाओं या अनुक्रियाओं के तीन प्रकार के थे। ब्रिटिश शासन के तत्काल लाभार्थी, जिन्हें अमले में लिया गया था। गोरी चमड़ी वालों की संस्कृति के आसक्त हो गए और उसे अपनी स्वयं की संस्कृति से बेहतर मानने लगे। वे 'गोरे साहिब' बन गए और ये उनके स्थानीय राजदूत बन गए। दूसरे लोग थे, जिन्होंने स्वदेशी सभ्यता के लिए एक नश्वर खतरा देखा और दृढ़ता से पश्चिमी प्रणाली से जुड़ी

हरेक चीज जैसे उनके संसाधन, हथियार की पूर्ण अस्वीकृति की नीति अपनाकर मजबूती से प्रतिक्रिया व्यक्त की। इसी बीच में, एक अन्य वर्ग तैयार हुआ जिसने पश्चिमी प्रणाली में शिक्षा पाई, लेकिन पूरी तरह से धोखे में नहीं आए। उन्हें अपनी पैतृक विरासत पर गर्व था। स्थिति का मूल्यांकन करके वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि एकमुश्त अस्वीकृति या पूर्ण स्वीकृति के दृष्टिकोण न तो अच्छे थे, न ही व्यवहार्य थे।

वे मिट्टी की संस्कृति से मजबूती से जुड़े रह कर एक मध्यम मार्ग के प्रतिपादक बन गए। नई और विदेशी सभ्यता में जो कुछ अच्छा और वांछनीय है उसे स्वीकार करो और अपनाओ। वर्तमान स्थिति कमोबेश ऐसे ही एक समान परिदृश्य जैसी दिखती है। वैश्वीकरण आज की आवश्यकता है। दुनिया भर में सब तरफ इसका जबर्दस्त प्रभाव है। भारत कोई अपवाद नहीं है। लेकिन अन्य देशों के विपरीत भारत महाद्वीपीय आकार में, विशाल जनसंख्या में और अपने सांस्कृतिक और सभ्यतागत धन में अतुलनीय रूप से मजबूत है। भारत जैसा देश वैश्वीकरण की चुनौती से कैसे निपटने जा रहा है, यह न केवल भारत, बल्कि हर दूसरे देश के लिए भी महत्वपूर्ण है।

तो यह भारतीय नेतृत्व का अनिवार्य कर्तव्य है कि गंभीरता से स्थिति पर विचार करे और पूरी मानवता के लाभ के लिए अपनी अग्रणी और निर्णायक भूमिका निभाए।

वर्तमान वैश्विक संदर्भ में ध्यान दिए जाने वाले महत्वपूर्ण कारकों में से एक प्रौद्योगिकी की भूमिका है। हालांकि प्रौद्योगिकी पर इसके प्रभाव का उपयोग करने का केवल एक उपकरण मात्र है, और यह इतनी शक्तिशाली है कि पूरी तरह से एक सभ्यता या एक संस्कृति की मूल बनावट को बदल सकती है। प्रौद्योगिकी ज्ञान है, यह शक्ति है, यह धन है, और संक्षेप में यह वर्णन करती है कि शब्द विकास का क्या मतलब है। पूरी दुनिया के विकास के पीछे है, ज्यादातर आर्थिक विकास के संदर्भ में। जिनके पास नवीनतम प्रौद्योगिकी है वे सबसे शक्तिशाली हैं।

यह दुनिया के सभी देशों चाहे विकसित या विकासशील या अविकसित में नेताओं और शासकों के मनों पर अद्वित्तीय प्रभाव डालती है। नवीनतम प्रौद्योगिकी प्राप्त करने के लिए एक पगलाई दौड़ है, लेकिन प्रौद्योगिकी अकेले नहीं आती है, यह जटिल रिश्तों, सांस्कृतिक, राजनीतिक, शैक्षिक और क्या नहीं, की एक पूरी दुनिया साथ में लाती है। तथ्य की बात यह है, वर्तमान सभ्यतापरक संघर्ष के मूल कारणों में से एक प्रौद्योगिकीय श्रेष्ठता या हीनता है। दुनिया के अन्य देशों के साथ-साथ, भारत इसके द्वारा आयात किए जाने वाले सभी सामानों के साथ प्रौद्योगिकीय व्यापार के प्रतिस्पर्धी बाजार में स्वाभाविक रूप से है। भारत को विकास की जरूरत है, लेकिन इसके संदर्भ में विकास को अति प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, मूल्यों और प्रणालियों से अलग करके नहीं सोचा जा सकता।

भारत के सामने असली चुनौती यह है कि कितनी और किस प्रकार की आधुनिक तकनीक की उसे जरूरत है जिसे वह अपनी स्वयं की सांस्कृतिक विशिष्टता को खतरे में डाले बिना अपना सकता है। इस मामले में भी ऐसे लोग हैं जो तीन अलग-अलग विकल्पों की वकालत करते हैं, संपूर्ण स्वीकृति, संपूर्ण अस्वीकृति, या चयनात्मक अवशोषण। हमारे द्वारा चुना गया विकल्प इतिहास के पन्नों को बदल देगा। यह सावधान अध्ययन, उचित मूल्यांकन करने के बाद और महान दूरदृष्टि के साथ किया जाना है, जिसमें देश के सबसे परिपक्व, बुद्धिमान और निष्पक्ष मनों को अपनी क्षमताओं को काम में लेना है। यह न केवल भारत के लिए बल्कि समस्त मानव जाति के लिए एक महत्वपूर्ण चरण है।

कुछ विचार हैं जिनको इस संदर्भ में ध्यान में रखना होगा। संस्कृतियाँ जैविक प्रणालियाँ हैं और उनके 'होने और बनने' के अपने कानून हैं। वे गुणात्मक रूप में मशीनों से अलग हैं, जबकि मशीनों के साथ काम करते समय आप अन्य मशीनों से पुर्जे उधार लेकर अपनी मशीन में फिट कर सकते हैं, कामकाज को प्रभावित किए बिना। लेकिन जैविक प्रणाली में इस तरह का उधार लेने और फिट करने का दृष्टिकोण काम नहीं करेगा। यह प्रणाली को ही नष्ट कर देगा। तो इस मामले में एक यांत्रिक दृष्टिकोण से काम नहीं चलेगा।

यहाँ पर अंतर-सांस्कृतिक संपर्क में खतरे निहित हैं, खासकर अगर दो में से एक आक्रामक और हावी हो तथा दूसरा विनम्र और सहनशील। वर्तमान वैश्विक स्थिति में जहां पश्चिमी प्रतिमान अभी भी हावी हैं, और भारत, यद्यपि चर्चा में उभर रहा है, लेकिन अभी भी प्राप्तकर्ता की स्थिति में है। भारत के एक उधारकर्ता और ऋणी बनने और उसके फलस्वरूप एक स्वतंत्र और बराबर के प्रतियोगी से बहुत कम, एक समान भागीदार बनने की अपनी सामर्थ्य और क्षमता का त्याग करने का पूरा खतरा है।

क्रमशः..

श्रद्धांजलि : पुण्यतिथि पर विशेष

माधव सदाशिव राव गोलवलकर

माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर उपाख्य श्री गुरूजी (जन्म: 19 फ़रवरी 1906 - मृत्यु: 5 जून 1973) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक तथा महान विचारक थे। उन्हें जनसाधारण प्राय: 'गुरूजी' के ही नाम से अधिक जानते हैं।

श्री गुरूजी का जन्म माघ कृष्ण 11 संवत् 1963 तदनुसार 19 फ़रवरी 1906 को महाराष्ट्र के रामटेक में हुआ था। वे अपने माता-पिता की चौथी संतान थे। उनके पिता का नाम श्री सदाशिव राव उपाख्य 'भाऊ जी' तथा माता का श्रीमती लक्ष्मीबा उपाख्य 'ता' था। उनका बचपन में नाम माधव रखा गया पर परिवार में वे मधु के नाम से ही पुकारे जाते थे।

मधु जब मात्र दो वर्ष के थे तभी से उनकी शिक्षा प्रारम्भ हो गयी थी। पिताश्री भाऊजी जो भी उन्हें पढ़ाते थे उसे वे सहज ही इसे कंठस्थ कर लेते थे। बालक मधु में कुशाग्र बुद्धि, ज्ञान की लालसा, असामान्य स्मरण शक्ति जैसे गुणों का समुच्चय बचपन से ही विकसित हो रहा था। सन् 1919 में उन्होंने 'हाई स्कूल की प्रवेश परीक्षा' में विशेष योग्यता दिखाकर छात्रवृत्ति प्राप्त की। सन् 1922 में 16 वर्ष की आयु में माधव ने मैट्रिक की परीक्षा चांदा (अब चन्द्रपुर) के 'जुबली हाई स्कूल' से उत्तीर्ण की। तत्पश्चात् सन् 1924 में उन्होंने नागपुर के 'हिस्लाप कॉलेज' से विज्ञान विषय में इण्टरमीडिएट की परीक्षा विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की। अंग्रेजी विषय में उन्हें प्रथम

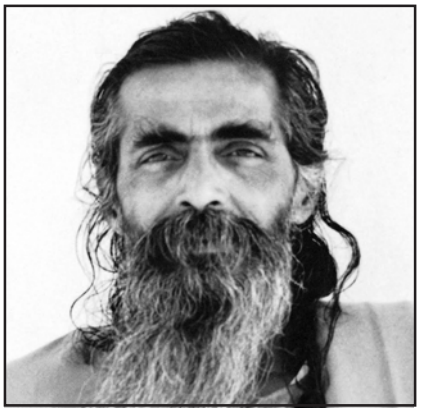

पारितोषिक मिला।

इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद माधवराव के जीवन में एक नये दूरगामी परिणाम वाले अध्याय का प्रारम्भ सन् 1924 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रवेश के साथ हुआ। सन् 1926 में उन्होंने बी.एससी. और सन् 1928 में एम.एससी. की परीक्षायें भी प्राणि-शास्त्र विषय में प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण की। इस तरह उनका विद्यार्थी जीवन अत्यन्त यशस्वी रहा।

इसके पश्चात् बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से उन्हें निदर्शक पद पर सेवा करने का प्रस्ताव मिला। 16 अगस्त सन् 1931 को श्री गुरूजी ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्राणि-शास्त्र विभाग में निदर्शक का पद संभाल लिया। अपने विद्यार्थी जीवन में भी माधव राव अपने मित्रों के अध्ययन में उनका मार्गदर्शन किया करते थे और अब तो अध्यापन उनकी आजीविका का साधन ही बन गया था। अध्यापक के नाते माधव राव अपनी विलक्षण प्रतिभा और योग्यता से छात्रों में इतने अधिक अत्यन्त लोकप्रिय हो गये कि उनके छात्र उनको गुरुजी के नाम से सम्बोधित करने लगे। इसी नाम से वे आगे चलकर जीवन भर जाने गये। माधव राव यद्यपि विज्ञान के परास्नातक थे, फिर भी आवश्यकता पड़ने पर अपने छात्रों तथा मित्रों को अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, गणित तथा दर्शन जैसे अन्य विषय भी पढ़ाने को सदैव तत्पर रहते थे। यदि उन्हें पुस्तकालय में पुस्तकें नहीं मिलती थी, तो वे उन्हें खरीद कर और पढ़कर जिज्ञासी छात्रों एवं मित्रों की सहायता करते रहते थे। उनके वेतन का बहुतांश अपने होनहार छात्र-मित्रों की फीस भर देने अथवा उनकी पुस्तकें खरीद देने में ही व्यय हो जाया करता था।

सबसे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के द्वारा काशी विश्वविद्यालय भेजे गए नागपुर के स्वयंसेवक भैयाजी दाणी के द्वारा श्री गुरूजी संघ के सम्पर्क में आये और उस शाखा के संघचालक भी बने। 1937 में वो नागपुर वापस आ गए। डॉ. हेडगेवार के सान्निध्य में उन्होंने एक अत्यंत प्रेरणादायक राष्ट्रसमर्पित व्यक्तित्व को देखा। 1938 के पश्चात् संघ कार्य को ही उन्होंने अपना जीवनकार्य मान लिया। 1939 में माधव सदाशिव गोलवलकर को संघ का सरकार्यवाह नियुक्त किया गया। 1940 में डॉ. हेडगेवार के देहावसान के बाद उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक का दायित्व संभाला। उन्होंने अथक परिश्रम और निरंतर देश भ्रमण से लगभग 33 वर्ष तक इस पद पर रहते हुए संघ को अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया और व्यक्ति-निर्माण का महती कार्य संपादित किया। ■

असम में खिला 'कमल'

पश्चिम बंगाल-केरल में भाजपा की अभूतपूर्व वृद्धि

पांच राज्यों-असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व पुडुचेरी के चुनाव परिणाम 19 मई को घोषित किए गए। चुनाव परिणामों से साफ स्पष्ट है कि जहां एक तरफ भाजपा की शक्ति में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस लगातार सिकुड़ती जा रही है। असम में भाजपानीत गठबंधन को ऐतिहासिक जीत प्राप्त हुई और यह गठबंधन 15 वर्षों से राज्य की सत्ता पर काबिज कांग्रेस को हटाकर पहली बार पूर्वोत्तर के किसी राज्य में सरकार बनी। साथ ही केरल और पश्चिम बंगाल में भाजपा की ताकत में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है और तमिलनाडु व पुड्डुचेरी में भी पार्टी ने अच्छा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

असम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

असम में भारतीय जनता पार्टी की पहली बार सरकार बनी है। यहां भाजपा को भारी जनादेश मिला है और भाजपा गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत मिला है। असम में भाजपा ने 60 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि उसकी सहयोगी असम गण परिषद ने 14 सीटें मिलीं। बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने 12 को जीत दर्ज की, वहीं तरूण गोगोई के नेतृत्व में कांग्रेस को 26 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। एआईयूडीएफ 13 सीट जीत पाई और निर्दलीय ने एक सीट जीती। उल्लेखनीय है कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने केंद्रीय खेल मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था।

असम परिणाम स्थिति 126 निर्वाचन क्षेत्रों में से 126 की ज्ञात स्थिति			
दल का नाम	**विजयी**	**आगे**	**कुल**
इंडियन नेशनल कांग्रेस	26	0	26
भारतीय जनता पार्टी	60	0	60
असम गण परिषद	14	0	14
ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट	13	0	13
बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट	12	0	12
निर्दलीय	1	0	1
कुल	**126**	**0**	**126**

केरल	
दल का नाम	**विजयी**
इंडियन नेशनल कांग्रेस	22
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया	19
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट)	58
नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी	2
भारतीय जनता पार्टी	1
इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग	18
निर्दलीय	6
कुल	**140**

पिछले बंगाल विधान सभा चुनावों में भाजपा को मिले 4.06 प्रतिशत वोट की तुलना में इस बार भारतीय जनता पार्टी को लगभग 11 प्रतिशत वोट प्राप्त हुआ। पश्चिम बंगाल में भाजपा के वोट शेयर में ढ़ाई गुना की वृद्धि हुई है और भाजपा गठबंधन को छह सीटों पर विजय मिली है। केरल में भाजपा की शक्ति में भारी वृद्धि हुई है। पिछली बार के 6.03 प्रतिशत वोट की तुलना में इस बार केरल में भाजपा गठबंधन को लगभग 15 प्रतिशत वोट प्राप्त हुआ है और एक सीट पर जीत भी मिली। भाजपा के 86 वर्षीय दिग्गज नेता श्री राजगोपाल ने तिरुवनंतपुरम की नेमोम सीट पर जीत दर्ज की। वहीं तमिलनाडु और

पश्चिम बंगाल	
दल का नाम	**विजयी**
इंडियन नेशनल कांग्रेस	44
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट)	26
भारतीय जनता पार्टी	3
आल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस	211
कुल	**294**

पांडिचेरी में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

जहां तक अन्य राज्यों की बात है पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में सुश्री जयललिता ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। केरल में वाम मोर्चे ने कांग्रेस को हराकर जीत दर्ज की है जबकि पुड्डुचेरी में कांग्रेस और उसके सहयोगियों को बहुमत मिली है।

इसके अलावा झारखंड, गुजरात, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना की कुछ सीटों पर उपचुनाव कराए गए थे। उत्तर प्रदेश की दोनों सीटें सत्तारूढ़ सपा, गुजरात की दोनों सीटें भाजपा, झारखंड की दो में से एक सीट भाजपा के खाते में गई। वहीं तेलंगाना की एक सीट पर तेलंगाना राष्ट्र समिति ने कब्जा जमाया है।

गुजरात में भाजपा ने कांग्रेस से सीट छीनी है।

देश में लोगों ने भाजपा पर भरोसा जताया : नरेंद्र मोदी

पूरे देश में लोगों ने भाजपा पर भरोसा जताया और इसे एक ऐसी पार्टी के रूप में देखा जो समग्र और समावेशी विकास कर सकती है।...पार्टी असम के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी और राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। मतगणना में असम में भाजपा के बड़ी जीत की ओर बढ़ने के बीच प्रधानमंत्री ने ट्वीट में कहा, ''असम में अभूतपूर्व जीत के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई। यह जीत सभी मानकों पर ऐतिहासिक है।''

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, ''मैं असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुड्डुचेरी और केरल के लोगों को समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं और यह आश्वस्त करता हूं कि हम हमेशा से कठिन परिश्रम करेंगे और उनकी सेवा करेंगे।''

दो वर्षों के भ्रष्टाचार मुक्त शासन और विकास की नीतियों की जीत है : अमित शाह

पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की भाजपा सरकार के दो वर्षों के भ्रष्टाचार मुक्त शासन और विकास की नीतियों की जीत है। जनता ने मोदी सरकार के कामकाज पर अपनी मुहर लगा दी है। असम में भाजपा की शानदार सफलता और अन्य राज्यों में अच्छा प्रदर्शन सकारात्मक राजनीति की विजय एवं नकारात्मक प्रचार की पराजय है, साथ ही

हमारा मानना है कि देश भर में पॉलिटिक्स ऑफ़ परफॉर्मेंस की नई शुरुआत हुई है। इन पाँचों राज्यों में पहले हम अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाये थे, इस बार हमने इन राज्यों में 2019 के लिए सशक्त नींव रखी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की भाजपा सरकार गाँव, गरीब और किसानों के विकास के लिए संकल्पबद्ध हैं, हम इस दिशा में लगातार अच्छा काम कर रहे हैं, हम देश को विकास की राजनीति की ओर ले जाने में सफल हुए हैं और हमने भ्रष्टाचार मुक्त शासन व्यवस्था के वादे को पूरा किया है।

असम की जीत काफी मायने रखती है। मैं असम की जनता को आश्वस्त करता हूँ कि पूरा एनडीए भाजपा के नेतृत्त्व में असम के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, हम असम में एक लोकाभिमुख सरकार देंगे और आने वाले दिनों में असम देश के विकसित राज्यों में शुमार हो सके, इसके लिए हम निष्ठावान प्रयास करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी इस समय अपने सबसे अच्छे दौर में : अरुण जेटली

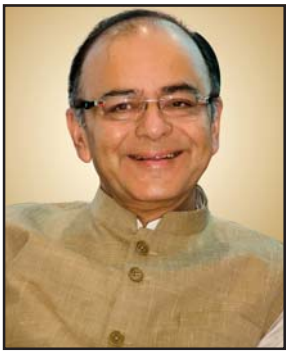

भारतीय जनता पार्टी इस समय अपने सबसे अच्छे दौर से गुजर रही है। आज पार्टी की अपने और अपने सहयोगियों के बल पर देश के 15 राज्यों में सरकार में है, असम में हम सरकार बनाने जा रहे है।

केरल में 2 मुख्य गठबंधनों के बीच पार्टी को 15 प्रतिशत वोट मिले, जो एक बड़ी बात है।

कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार में हर व्यक्ति की जुबान पर भ्रष्टाचार की बात होती थी, लेकिन पिछले 2 सालों में मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार का शब्द भारतीय शब्दकोष से हटा दिया और अब जनता केवल विकास की बात करती है। ■

संपादकीय टिप्पणियां

पांच राज्यों- असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु एवं पुड्डुचेरी- के विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर हिंदी के राष्ट्रीय समाचार-पत्रों ने अपनी संपादकीय टिप्पणियों में यह स्पष्ट तौर पर लिखा है कि भाजपा राष्ट्रीय उपस्थिति दर्ज करा रही है, पार्टी की ताकत बढ़ रही है, जबकि कांग्रेस का जनाधार लगातार घट रहा है। हम यहां संपादकीय टिप्पणियों के प्रमुख अंश प्रकाशित कर रहे हैं:-

हिन्दुस्तान

भाजपा को बढ़त

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों का पहला निष्कर्ष यही है कि कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। इनमें से दो बड़े राज्यों असम और केरल में कांग्रेस सत्ता में थी, जहां उसके हाथ से सत्ता निकल गई है। पुड्डुचेरी में जरूर वह सत्ता में आ गई है, लेकिन यह केंद्र शासित प्रदेश है, और यहां सीमित अधिकारों वाली विधानसभा व राज्य सरकार है। इसके बरक्स भारतीय जनता पार्टी के लिए ये चुनाव खुशियां लेकर आए हैं।

असम में पहली बार भाजपा सरकार बनाने जा रही है, तमिलनाडु में जयललिता की वापसी हुई है, जिससे भाजपा के बेहतर संबंध हैं और केरल विधानसभा में पहली बार भाजपा का एक विधायक होगा। इसके अलावा सभी राज्यों में भाजपा को मिले वोटों का प्रतिशत अच्छा-खासा है, जिसका फायदा उसे सन 2019 के लोकसभा चुनावों में मिल सकता है। पश्चिम बंगाल में भाजपा के मुकाबले कांग्रेस को दस गुना से ज्यादा सीटें मिली हैं, लेकिन दोनों पार्टियों के वोट प्रतिशत में बहुत मामूली-सा फर्क है।

असम में भाजपा ने सही रणनीति और अचूक गठबंधन के सहारे कांग्रेस को परास्त किया। असम गण परिषद के साथ गठबंधन भाजपा के लिए बहुत फायदेमंद साबित हुआ और सर्बानंद सोनोवाल को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करना भी सही रणनीति थी।

राष्ट्रीय सहारा

विस्तार और सिमटाव

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के जो जनादेश आए हैं, उनको एक सूत्र वाक्य में कहा जा सकता है कि भाजपा का विस्तार हो रहा है और कांग्रेस सिमट रही है।

जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस आगे नहीं हैं, वहां तृणमूल कांग्रेस व अन्नाद्रमुक जैसी क्षेत्रीय पार्टियां ममता बनर्जी व जयललिता के नेतृत्व में अपनी सत्ता कायम रखने में सफल रही हैं।

दिल्ली से सुदूर पूर्वोत्तर के सात राज्यों में से सबसे बड़े असम में भाजपा पहली बार अपने गठबंधन के साथ सरकार बनाने जा रही है, जहां उसे 2011 के चुनाव में महज पांच सीटें मिली थीं।

मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार सर्बानंद सोनोवाल की साफ-सुथरी छवि धुर राजनीतिक तरुण गोगोई पर भारी पड़ी। कांग्रेस के आंतरिक कलह के चलते उसके वरिष्ठ नेता हेमंत विश्व शर्मा का पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होना भी पार्टी के लिए भारी पड़ा।

तरुण गोगोई डेढ़ दशकीय सत्ता के विरुद्ध लहर को अपने पक्ष में मोड़ने में नाकाम रहे। भाजपा ने स्थानीय नेतृत्व के साथ-साथ गरीबी, बेरोजगारी और बांग्लादेशी घुसपैठ जैसे स्थानीय मुद्दों को ज्यादा महत्त्व दिया, जिस पर वहां के मतदाताओं ने अपनी मुहर लगायी।

कुल मिलाकर इस जनादेश से एक ओर जहां भाजपा का खोया आत्मविश्वास लौटेगा, वहीं कांग्रेस को अपने पराभव के कारणों पर मंथन के लिए मजबूर करेगा।

पंजाब केसरी

नरेन्द्र मोदी की ताकत बढ़ी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम हमारे सामने हैं। एग्जिट पोल द्वारा दिखाए गए नतीजों के अनुरूप भाजपा का असम में पहली बार कमल खिल चुका है और उसने पश्चिम बंगाल और केरल में भी खाता खोल दिया है। पूर्वोत्तर भारत में असम भाजपा के लिए प्रवेश द्वार बना है। बिहार और दिल्ली के चुनावों में भाजपा की हार के मुकाबले पूर्वोत्तर भारत में उसका सिक्का जमाना बहुत बड़ी उपलब्धि है। जिस तरह से पांचों राज्यों में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा, उससे स्पष्ट है कि भाजपा का कांग्रेस मुक्त भारत का नारा सार्थक हो रहा है और भाजपा का पूरे

राष्ट्र में विस्तार हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक ताकत और बढ़ी है और परिणाम बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जादू जमकर चला है और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की रणनीति सफल रही है। दोनों की जोड़ी ने भाजपा का इतिहास बदल कर रख दिया। भाजपा का असम गण परिषद् और बोडो पीपुल्स फ्रंट के साथ गठबंधन कर चुनाव लडना फायदे में रहा। इन चुनाव परिणामों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ताकत काफी बढ़ गई है। इन चुनाव परिणामों से क्षेत्रीय दलों में खलबली मच गई है।

भाजपा ने पिछले 5 वर्षों में लम्बी यात्रा तय की है। सन् 2011 में उसने पांच राज्यों के चुनाव में 500 से ज्यादा प्रत्याशी खड़े किए थे और उसे सीटें मिली थीं केवल पांच। इन राज्यों में भाजपा का चुनाव लड़ना ऐसे माना जा रहा था जैसे कनाडा में वर्ल्ड कप खेलना, लेकिन इस बार भाजपा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

कांग्रेस के लिए किसी भी राज्य से अच्छी खबर नहीं मिली। उसे इस बात पर संतोष हो सकता है कि पश्चिम बंगाल में उसे लेफ्ट से अधिक सीटें मिली हैं। क्या कांग्रेस की करारी हार के लिए कांग्रेस नेतृत्व जिम्मेदार है या राज्यों का नेतृत्व, इसका विश्लेषण तो कांग्रेसी ही खुद अच्छी तरह कर सकते हैं।

कांग्रेस को यह भी सोचना होगा कि क्या नकारात्मक राजनीति उसे ले डूबी। क्या वह इस बात का इंतजार कर रही है कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 1977 की जनता पार्टी की सरकार की तरह गलतियां करे और उसे स्वत:स्फूर्त इसका फायदा मिल जाए। पिछले दो वर्षों से कांग्रेस परिवार को बचाने में जुटी है, पार्टी को नहीं। यह भी कांग्रेस की विडम्बना ही रही कि पश्चिम बंगाल में उसने जहां वामपंथियों से गठजोड़ किया, वहीं केरल में वह एक-दूसरे के खिलाफ लड़े।

जहां तक असम का सवाल है, 2014 के लोकसभा के चुनाव में भाजपा 36 फीसदी वोट के साथ राज्य की 13 में से 7 सीटें जीतने में सफल रही थी। कांग्रेस 29.5 फीसद वोट के साथ सिर्फ 3 सीटें जीत सकी थी और एयूडीएफ ने 14.8 फीसद वोट के साथ तीन सीटें हासिल की थीं। केवल एक कोकराझार सीट पर निर्दलीय बाबा कुमार जीते थे। एजीपी पूरी तरह हाशिये पर चली गई थी। लोकसभा चुनावों के बाद राज्य के हालात में ऐसे बदलाव के संकेत नहीं मिले जिससे यह माना जाए कि विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ अलग होंगे। असम में इस बार भाजपा को 44 फीसदी वोट मिले हैं।

अब देश की 35.6 प्रतिशत आबादी पर भाजपा का शासन हो चुका है जबकि यूपीए का शासन केवल 7.5 प्रतिशत आबादी पर रह गया है। भाजपा आज उस जगह भी पहुंच गई है जहां उसको कार्यकर्ता ढूंढना पड़ता था और कांग्रेस को अब देश के नक्शे में ढूंढना पड़ रहा है।

दैनिक ट्रिब्यून

जनादेश के मायने

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपानीत राजग को स्पष्ट बहुमत के बाद से ही यह सिलसिला जारी है कि मतदाता किसी दल या गठबंधन को स्पष्ट जनादेश देते हैं, ताकि उसके पास अपने वायदों की कसौटी पर खरा उतरने में विफलता के लिए कोई बहाना शेष न रहे। बेशक हालिया विधानसभा चुनावों में सबसे चौंकाने वाले नतीजे असम से आये हैं, जहां पहली बार भाजपा को सत्ता मिली है। बदलते सामाजिक समीकरणों के मद्देनजर अरसे से आंदोलनरत रहे असम में भाजपा की जीत तो महत्वपूर्ण है ही, पार्टी द्वारा इसका श्रेय स्थानीय नेतृत्व और कार्यकर्ताओं को दिया जाना भी काबिलेगौर है, क्योंकि हाल तक जीत का सेहरा नरेंद्र मोदी के ही सिर बांधने की रस्म रही है।

हालांकि दिल्ली और बिहार में पराजय का ठीकरा स्थानीय नेतृत्व के सिर फोड़ा गया। अन्य चार राज्यों में सीटों की दृष्टि से भाजपा कुछ खास नहीं कर पायी है, लेकिन उसका मत प्रतिशत बताता है कि वह तेजी से राष्ट्रीय उपस्थिति दर्ज करा रही है।

जागरण

एक अच्छा दिन भाजपा का

पांच राज्यों के चुनाव नतीजों की चाहे जैसी व्याख्या की जाए, कांग्रेस के हाथ खाली ही नजर आ रहे हैं-इसके बाद भी कि वह पुड्डुचेरी में द्रमुक के साथ मिलकर सरकार बनाने जा रही है। इसमें कोई दोराय नहीं हो सकती कि राष्ट्रीय राजनीति में पुड्डुचेरी की भूमिका नगण्य है। कांग्रेस ने असम के रूप में एक और राज्य ही नहीं, अपना मजबूत गढ़ भी गंवा दिया और पश्चिम बंगाल में वाम दलों से हाथ मिलाने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस को ढंग से चुनौती नहीं दे सकी।

वह यहां जिन वाम दलों के सहयोग से दूसरे स्थान पर आई उन्हीं वाम दलों ने केरल में उसके नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया।

अब जब वाम दलों के कुछ नेता बंगाल में कांग्रेस के साथ गठबंधन को एक भूल मान रहे हैं तो कांग्रेस के लिए भी यह आवश्यक हो जाता है कि वह इस बेमेल और बेढंगे गठबंधन पर अफसोस करे। यह हर लिहाज से एक विचित्र और हास्यास्पद गठबंधन था। आखिर वह वाम दलों को बंगाल में हार पर सांत्वना देगी या केरल में जीत की बधाई? राजनीति में कुछ भी हो सकता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई पार्टी एक राज्य में खुद को हराने के लिए सक्रिय दल से दूसरे राज्य में हाथ मिला ले।

चुनाव वाले पांच राज्यों में भाजपा के लिए खोने को कुछ खास नहीं था, लेकिन उसने जहां असम में जोरदार जीत हासिल की वहीं केरल विधानसभा में भी पहुंच गई। वह पश्चिम बंगाल में भी अपनी स्थिति सुधारने में सफल रही। हालांकि यहां उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिली, फिर भी चुनाव नतीजों से सबसे अधिक राजनीतिक ऊर्जा उसे ही मिली है। पांच राज्यों के चुनाव नतीजे भाजपा में देशव्यापी उत्साह का संचार करने के साथ ही मोदी सरकार की मुश्किलों को भी कम करेंगे। राज्यसभा में कांग्रेस के सबसे बड़े दल बने रहने के बावजूद उसका प्रभाव कम होगा।

जनसत्ता

नतीजों के मायने

इन नतीजों में जो बात सामान्य है वह यह कि भारतीय जनता पार्टी की ताकत बढ़ी है और कांग्रेस का आधार घटा है। कांग्रेस को अपने दो राज्य गंवाने पड़े हैं, असम और केरल दोनों उसके हाथ से निकल गए। कहने भर की तसल्ली उसे पांडिचेरी से मिली है।

असम में भाजपा को अप्रत्याशित सफलता मिली है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों से उसकी थोड़ी-बहुत बढ़त का अंदाजा होता था, पर उसने वहां भारी बहुमत हासिल किया, एक ऐसे राज्य में, जो परंपरागत रूप से उसका गढ़ कभी नहीं रहा। असम में भाजपा को मिली जबर्दस्त जीत पूरे पूर्वोत्तर में उसके भविष्य के लिए काफी मायने रखती है जहां वह हमेशा हाशिये की पार्टी रही है। अन्य राज्यों में भाजपा मुख्य मुकाबले में नहीं थी, जैसाकि नतीजों से भी जाहिर है, पर इन राज्यों में भी उसने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

पायनियर

नए क्षेत्रों में मजबूत होती भाजपा

राष्ट्रीय दृष्टिकोण से हालिया विधानसभा चुनावों के तीन निश्चित संदेश हैं। कांग्रेस में लगातार गिरावट आती जा रही है, भारतीय जनता पार्टी आगे बढ़ी है तथा क्षेत्रीय क्षत्रप महत्वपूर्ण शक्ति बने हुए हैं।

2019 लोकसभा चुनाव के संदर्भ में देखने पर दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के लिए दीवाल की लिखावट साफ हैं कांग्रेस के लिए यह कि पार्टी को स्वयं को पुनर्जीवित करने के लिए वरिष्ठतम राष्ट्रीय नेतृत्व के स्तर पर कोई असाधारण काम करना होगा। भाजपा के लिए यह कि गठबंधनों का महत्व है तथा कहीं पर पूरी तरह कब्जा करने के पहले पैर जमाने की जगह तलाश करनी होगी। इसके लिए संगठनात्मक कौशल तथा समान सोच वाले साझीदारों की आवश्यकता होगी।

असम में सफलता इसका अच्छा उदाहरण है। अनेक विशेषज्ञों द्वारा खारिज असम गण परिषद् तथा कुछ प्रेक्षकों द्वारा महत्वहीन समझे जाने वाले बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट से गठबंधन के साथ ही पार्टी द्वारा सत्ता-विरोधी लहर से प्रभावित कांग्रेस सरकार के खिलाफ भारी प्रचार से भाजपा नीत गठबंधन की इस उत्तरपूर्वी राज्य में शानदार विजय सुनिश्चित हुई है।

केरल, तमिलनाडु एवं पश्चिम बंगाल में लगातार संगठनात्मक आधार के विस्तार ने भी भाजपा को लाभ दिलाया है। दूसरी ओर कांग्रेस के लिए जैसे 2014 लोकसभा चुनाव में भारी पराजय के बाद कुछ भी ठीक नहीं हो रहा है। उदाहरण के लिए, उसे पश्चिम बंगाल में दुहरे अपमान का सामना करना पड़ा।

पहले उसे जूनियर पार्टनर बनने के लिए तैयार होना पड़ा तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी नीत वाममोर्चे को वरियता देनी पड़ी।

इसके बाद पहचान खोने के बावजूद उसे ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस से हारना पड़ा। जैसे पश्चिम बंगाल में वाममोर्चे से गठबंधन के बावजूद उसे धूल फांकनी पड़ी, उसी प्रकार केरल में वामपंथ के लिए जगह खाली करनी पड़ी। जहां तक असम का सवाल है, पार्टी को 2014 के लोकसभा चुनाव में दयनीय प्रदर्शन तथा राज्य कांग्रेस की कतारों में बढ़ते विरोध के बाद आती हुई पराजय का अनुमान लगा लेना चाहिए था। ■

पूर्वोत्तर भारत में भाजपा की पहली सरकार

असम के मुख्यमंत्री के रूप में सर्बानंद सोनोवाल ने ली शपथ

श्री सर्बानंद सोनोवाल ने 24 मई को गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस शपथ के साथ ही पूर्वोत्तर भारत में भाजपा की पहली सरकार बन गई है। गौरतलब है कि तमाम राजनीतिक विश्लेषक इसे भारतीय राजनीति की एक ऐतिहासिक घटना के रूप में भी देख रहे हैं। समारोह में मुख्यमंत्री श्री सोनोवाल के अलावा दस अन्य विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई, जिसमें असम गण परिषद और बोडो पीपुल्स फ्रंट के सदस्यों को शामिल किया गया है। मंत्रियों के नाम इस प्रकार हैं-श्री हेमंत बिस्व सरमा, श्री अतुल बोरा (असम गण परिषद के अध्यक्ष), श्री परिमल शुक्ला वैद्य, श्री चंद्र मोहन पटवारी, श्री केशव महंत, श्री रंजीत दत्तोय, श्री रेहान देईमाड़ी, प्रमिला रानी ब्रह्म), श्री नवकुमार डोले (स्वतंत्र प्रभार) और श्री पल्लव लोचन दास (स्वतंत्र प्रभार)।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री लाल कृष्ण आडवाणी, भाजपानीत एनडीए शासित 14 राज्यों के मुख्यमंत्री समेत एनडीए सरकार के महत्वपूर्ण मंत्री भी शामिल थे। इस भव्य समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, गुजरात की मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल, राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री रमन सिंह, गोवा के मुख्यमंत्री श्री लक्ष्मीकांत पारसेकर, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू, पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल, केंद्रीय मंत्री श्री अरुण जेटली, श्री नितिन गडकरी, श्री सुरेश प्रभु, जनरल वी के सिंह, श्री रामविलास पासवान, पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू भी मौजूद थे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि श्री सर्बानंद सोनोवाल के रूप में असम को जनजातीय समुदाय से मुख्यमंत्री मिला है जो समाज सेवा के लिए समर्पित है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार असम की जनता की सेवा करेगी और विकास के माध्यम से राज्य का कायाकल्प करेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी संघवाद के सिद्धांत पर काम कर रही है और प्रगति के लिए राज्यों को अधिकतम शक्ति देना चाहती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भागीदारी के बारे में होता है और विकास के लिए केंद्र और राज्यों को कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहिए। उन्होंने देश के व्यापक और समग्र विकास पर बल दिया, विशेषकर देश के पूर्वोत्तर भाग के विकास पर।

इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि मैं सबसे पहले असम की जनता को इस बात के लिए बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ कि पहली बार असम में श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्त्व में राज्य का सर्वांगीण विकास करने वाली लोकप्रिय सरकार आई है। उन्होंने कहा कि हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को असम में हमारी सरकार के बनने से अत्यधिक आनंद का अनुभव हो रहा है।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में असम में श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्त्व में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन सरकार का गठन हुआ है जब केंद्र में प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में भाजपा सरकार अपने दो वर्ष पूरे कर रही है।

उन्होंने कहा कि विकास के क्षेत्र

में अद्भुत प्रगति और देश के भविष्य को संवारने की दिशा में किये गए कार्य के लिए श्री नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की भाजपा सरकार के दो साल का कार्यकाल इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में अंकित होनेवाला है।

श्री शाह ने कहा कि हमने जन-जन तक और विकास के दौर में पीछे छूट गए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में हम एक भ्रष्टाचार मुक्त, विकासोन्मुखी लोक-कल्याणकारी सरकार देने में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश के संघीय ढाँचे को मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने देश के गरीब, पिछड़े, वंचित, आदिवासी, दलित, गाँव, किसान, बेरोजगार, मजदूर, सबके विकास के लिए अथक प्रयास किये हैं। श्री शाह ने कहा कि मुझे विश्वास है कि इसी तरह श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्त्व में भाजपा असम में विकास की एक नई कहानी लिखने में सफल होगी।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि असम की जनता ने राज्य के विकास के लिए जो भाजपा गठबंधन की सरकार चुनी है, मैं इसके बारे में असम की जनता को भरोसा दिलाना चाहता हूँ कि अपार सभावनाओं वाले इस प्रदेश में हम श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्त्व में इतने कारगर ढंग से काम करेंगे ताकि असम देश के विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में शुमार हो सके।

उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षो में हम असम में विकास के नए आयाम स्थापित करेंगें।

उन्होंने कहा कि असम की हर समस्या का त्वरित और सीधा समाधान किया जाएगा और असम को आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहायता दी जाएगी। भाजपा अध्यक्ष ने एक बार फिर से असम की जनता को भाजपा गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत से जनादेश देने के लिए हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया और उनका अभिनंदन किया।

समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में महंगाई घट रही है और विकास तेजी से हो रहा है। मोदी केवल भारत के प्रधानमंत्री नहीं हैं, वो आज एक विश्व नेता हैं। श्री चौहान ने कहा कि असम में चमत्कार हुआ है, जनता ने पहली बार भाजपा सरकार बनाकर चमत्कार किया है। जहां-जहां भाजपा की सरकार है, वहां राज्य में तेजी से विकास हुआ है।

समारोह को पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू आदि ने भी संबोधित किया।■

पृष्ठ 10 का शेष...

का उत्पादन हुआ, सबसे ज्यादा घरेलू गैस कनेक्शन जारी किए गए, सबसे ज्यादा कोयले का उत्पादन हुआ, सबसे ज्यादा बिजली उत्पादन हुआ, बड़े बंदरगाहों से सबसे ज्यादा मात्रा में सामान की आवाजाही हुई, सबसे ज्यादा रेलवे पूंजी लागत में बढ़ोत्तरी हासिल की गई, सबसे ज्यादा किलोमीटर नए राजमार्ग की ख्याति अर्जित की गई , सबसे ज्यादा मोटर गाड़ी का उत्पादन किया गया, सबसे ज्यादा साफ्टवेयर का निर्यात किया गया, वर्ल्ड बैंक डूइंग बिजनेस इंडिकेटर्स के मामले में अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग हासिल की और सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा भंडार अर्जित किया गया। उन्होंने कहा कि हमने भूतपूर्व सैनिकों के लिए 40 सालों से लंबित 'वन रैंक, वन पेंशन' योजना को लागू किया।

सुरक्षित और समृद्ध भारत का नवनिर्माण

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने एक सुरक्षित और समृद्ध भारत के नवनिर्माण की नींव रखी है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और मजबूत बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमने योजनाओं को समाज का आंदोलन बनाया और इसे सामाजिक परिवर्तन के अभियान के रूप में बदला। उन्होंने कहा कि हमने हर क्षेत्र से भ्रष्टाचार को ख़त्म करने की पहल की, पारदर्शिता लाने की पहल की और देश के सर्वांगीण विकास के सिद्धांत को प्रतिपादित किया।

उन्होंने कहा कि रक्षा नीति हो या सेना के आधुनिकीकरण का मामला हो या फिर विदेश नीति की बात हो, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने हर मोर्चे पर आशातीत सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि सारी योजनाओं की मॉनिटरिंग काउन्सिल ऑफ़ मिनिस्टर्स के साथ प्रधानमंत्री जी खुद करते हैं ताकि योजनाओं का कार्यान्वयन तय समय सीमा के भीतर हो सके। उन्होंने कहा कि हमने रिफॉर्म्स और जन-कल्याण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए विकास को समाज के अंतिम छोर पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया है जिसके आशातीत परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं।

श्री शाह ने कहा कि आज भारत के पास श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सर्वाधिक लोकप्रिय, सर्वाधिक जुझारू, दृढ़ इच्छाशक्ति और 'सबका साथ, सबका विकास' की सोच के साथ काम करनेवाला जनसेवक है। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काफी उज्ज्वल है और निश्चित रूप से 21वीं शताब्दी भारत की शताब्दी होगी, ऐसा मुझे विश्वास है। ■

आदिवासी समाज में पैदा हुआ समर्पित नेता असम का नेतृत्व करने जा रहा है : नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 24 मई को गुवाहाटी, असम में श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्त्व में भाजपा गठबंधन सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए और इस समारोह में उपस्थित विशाल जनसमुदाय को सम्बोधित भी किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं सबसे पहले

असम वासियों को नमन करना चाहता हूँ जिन्होंने विकास का सपना देखा और विकास की पूर्ति के लिए श्री सर्बानंद और उनके साथियों को सेवा का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में पैदा हुआ समाज को समर्पित एक नेता असम का नेतृत्त्व करने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मैं श्री सर्बानंद को भली भांति जानता हूं, देशभर के आदिवासी समाज को इनपर आज गर्व है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमेशा प्रसन्नचित रहने वाले श्री सर्बानंद असम के सर्वानंद के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, उनकी पूरी टीम भी असम वासियों के कल्याण में लगेगी, ऐसा मेरा विश्वास है। श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दिल्ली में बैठी सरकार कम्पीटिटिव कोऑपरेटिव फेडरलिज्म पर भरोसा रखती है। असम जितना दौड़ेगा दिल्ली सरकार उससे एक कदम ज्यादा दौड़ने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि मैं असम की जनता से कहना चाहूंगा कि आपने जो सपना देखा है उसके लिए आवश्यक है कि सरकार और जनता कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भागीदारी से चले, सरकार और जनता कंधे-से-कंधा मिलाकर काम करे तो इसके अद्भुत परिणाम मिलते हैं। केंद्र प्रदेश के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने मुझे लाल किले से भी सुना है, आपने मुझे संसद के द्वार से भी सुना है। उन्होंने कहा कि मैं उस विचार पर विश्वास करता हूँ कि आजादी के बाद से केंद्र या राज्यों में बननेवाली हर सरकार ने अपने-अपने तरीके से कुछ न कुछ अच्छा करने का प्रयास किया है, इसलिए जो कुछ अच्छा हुआ है उसे आगे बढ़ाना है और जो कमियां रह गई हैं उनमें पूर्ण सुधार करके तेज गति से आगे बढ़ना जरूरी है।

प्रधानमंत्री के संबोधन की मुख्य बातें

- दिल्ली में बैठी सरकार कम्पीटिटिव कोऑपरेटिव फेडरलिज्म पर भरोसा रखती है। असम जितना दौड़ेगा दिल्ली सरकार उससे एक कदम ज्यादा दौड़ने का प्रयास करेगी।
- लोकतंत्र भागीदारी से चले, सरकार और जनता कंधे-से-कंधा मिलाकर काम करे तो इसके अद्भुत परिणाम मिलते हैं।
- केंद्र प्रदेश के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।
- आजादी के बाद से केंद्र या राज्यों में बनने वाली हर सरकार ने अपने-अपने तरीके से कुछ न कुछ अच्छा करने का प्रयास किया है, इसलिए जो कुछ अच्छा हुआ है उसे आगे बढ़ाना है और जो कमियां रह गई हैं उनमें पूर्ण सुधार करके तेज गति से आगे बढ़ना जरूरी है।
- जो विकास करना चाहते हैं, उन्हें हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराना और जो विकास करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं, उन्हें हाथ बढ़ाकर आगे करना हमारी प्राथमिकता है।

- मैं इस पर बल दे रहा हूं कि भारत का विकास सर्व समावेशी हो, संतुलित हो और सार्वदेशिक हो। संपूर्ण नॉर्थ ईस्ट के विकास के लिए असम और गुवाहाटी केंद्र बिंदु है।
- यदि हिन्दुस्तान के पूर्वी छोर का विकास नहीं हुआ तो भारत समृद्ध नहीं हो सकता।
- पूर्वोत्तर का विकास देश की आर्थिक ताकत को एक नई ऊर्जा देगा और पूर्वोत्तर के विकास के लिए केंद्र और राज्य मिलकर काम करेंगे।

इस अवसर पर श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जो विकास करना चाहते हैं, उन्हें हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराना और जो विकास करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं, उन्हें हाथ बढ़ाकर आगे करना, साथ ही देश के सभी राज्यों के सर्वांगीण विकास के लिए अनवरत प्रयास करते रहना हमारी प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि असम की विरासत महान है, यह सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है, भारत को प्रेरणा देने की ताकत असम की धरती में है। उन्होंने कहा कि इस धरती का उपयोग असम को नई ऊंचाई देने और देश को एक नई ताकत देने में होगा।

उन्होंने कहा कि मैं इस पर बल दे रहा हूं कि भारत का विकास सर्व समावेशी हो, संतुलित हो और सार्वदेशिक हो। संपूर्ण नॉर्थ ईस्ट के विकास के लिए असम और गुवाहाटी केंद्र बिंदु है। उन्होंने कहा कि यदि हिन्दुस्तान के पूर्वी छोर का विकास नहीं हुआ तो भारत समृद्ध नहीं हो सकता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के बेहतर लुक ईस्ट पॉलिसी के लिए एवं पूर्व के देशों में प्रभाव पैदा करने के लिए असम, बंगाल, बिहार, उड़ीसा, पूर्वी उत्तर प्रदेश समेत नार्थ ईस्ट का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर का विकास देश की आर्थिक ताकत को एक नई ऊर्जा देगा और पूर्वोत्तर के विकास के लिए केंद्र और राज्य मिलकर काम करेंगें, इसका मैं आपको विश्वास दिलाता हूं। उन्होंने कहा कि मैं सर्बानंद जी को, उनकी पूरी टीम को राज्य की समस्त जनता को हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। ■

भाजपा तेज गति से राष्ट्रीय स्वीकृति प्राप्त कर रही है : नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने असम में भाजपा की शानदार सफलता और पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु एवं पुड्डुचेरी में भारतीय जनता पार्टी के अच्छे प्रदर्शन पर भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी कायर्कर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुड्डुचेरी - इन पांचों राज्यों के मतदाताओं का हृदय से बहुत - बहुत आभार व्यक्त करता हूं और उन्हें धन्यवाद देता हूं, उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर अपने विश्वास में बढ़ोतरी की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इन पांचों राज्यों के विधान सभा चुनाव के नतीजे भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के लिए अत्यन्त ही उत्साहवर्धक हैं। उन्होंने कहा कि असम में भाजपा की सरकार बनना कई लोगों के लिए उतना ही आश्चर्य का विषय है जैसा कि जम्मू - कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी सरकार में हिस्सेदार है।

उन्होंने कहा कि इस चुनाव परिणामों से साफ हुआ है कि भारतीय जनता पार्टी की विकास की जो विचारधारा है, सामान्य मानवीय जीवन में बदलाव लाने का जो अथक प्रयास है, उसको देश की जनता भली-भांति सराह रही है, स्वीकार कर रही है और उसका समर्थन कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के गरीबों की भलाई के लिए और लोगों के जीवन में उत्थान लाने के लिए यह जनसमर्थन हमें और अधिक ताकत देगा, और अधिक उत्साह देगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी तेज गति से हिन्दुस्तान के सभी भू-भाग पर जन स्वीकृति प्राप्त कर रही है, इसे लोकतंत्र के लिए मैं एक उत्तम नजरिया मानता हूं। उन्होंने कहा कि हम जन सामान्य की आशाओं और आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए निरन्तर प्रयास करते रहेंगे।

श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री अमित शाह, उनकी पूरी टीम, प्रदेशों के भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व, उनकी पूरी टीम और पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। ■

केरल से कश्मीर तक और कच्छ से कामरूप तक भाजपा सशक्त : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने असम विधान सभा चुनाव में मिली शानदार सफलता और पश्चिम बंगाल, केरल एवं तमिलनाडु में काफी अच्छे प्रदर्शन के लिए पांचों राज्यों की जनता का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया। पार्टी कार्यकर्ताओं और संगठन पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं और संगठन पदाधिकारियों ने केरल से लेकर कश्मीर तक और कच्छ से लेकर कामरूप तक पूरे देश के अंदर भारतीय जनता पार्टी की नींव को मजबूत करने का काम किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार के दो वर्षों के भ्रष्टाचार मुक्त शासन और विकास की नीतियों की जीत है। उन्होंने कहा कि जनता ने मोदी सरकार के कामकाज पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि असम में भाजपा की शानदार सफलता और अन्य राज्यों में अच्छा प्रदर्शन सकारात्मक राजनीति की विजय एवं नकारात्मक प्रचार की पराजय है, साथ ही हमारा मानना है कि देश भर में पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस की नई शुरुआत हुई है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अपने निहित राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए जिस तरह से कांग्रेस ने पार्लियामेंट को विकास के मार्ग से भटकाने का काम किया, इन चुनावों में पांचों राज्यों की जनता ने उन्हें उनकी सही जगह दिखा दी है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव परिणाम के माध्यम से पांचों राज्यों की जनता ने कांग्रेस को उसके द्वारा संसद को अवरुद्ध रखकर जनता को विकास से महरूम रखने की साजिश को सच्चाई का आइना दिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जो 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा दिया है, उसमें देश दो कदम और आगे बढ़ा है।

पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार के दो वर्षों के भ्रष्टाचार मुक्त शासन और विकास की नीतियों की जीत है। उन्होंने कहा कि जनता ने मोदी सरकार के कामकाज पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि असम में भाजपा की शानदार सफलता और अन्य राज्यों में अच्छा प्रदर्शन सकारात्मक राजनीति की विजय एवं नकारात्मक प्रचार की पराजय है, साथ ही हमारा मानना है कि देश भर में पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस की नई शुरुआत हुई है।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा असम में पहली बार सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि असम में भारतीय जनता पार्टी को भारी जनादेश मिला है, भाजपा गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत मिला है, भाजपा को अकेले ही सरकार बनाने जितना समर्थन देकर असम की जनता ने विकास की राजनीति पर अपनी मुहर लगा दी है।

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम पर बोलते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले बंगाल विधान सभा चुनावों में भाजपा को मिले 4.06 प्रतिशत वोट की तुलना में इस बार भारतीय जनता पार्टी को लगभग 11 प्रतिशत वोट मिलता है, यह दर्शाता है कि पश्चिम बंगाल में हमारे वोट शेयर में ढाई गुना की वृद्धि हुई है और भाजपा गठबंधन को छह सीटों पर विजय मिली है। उन्होंने कहा कि इसी तरह हमें केरल में संगठन को विस्तारित करने के प्रयास में हमें भारी सफलता प्राप्त हुई है, पिछली बार के 6.03 प्रतिशत वोट की तुलना में इस बार केरल में हमारे गठबंधन को लगभग 15 प्रतिशत वोट प्राप्त हुआ है और एक सीट पर जीत भी मिली है। केरल की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने हिंसा की राजनीति के सामने केरल के अंदर संगठन के विस्तार के लिए जो प्रयास किया है, वह काफी प्रभावी प्रयास है। श्री शाह ने कहा कि तमिलनाडु और पांडिचेरी में भी हमने अपने सफलता के ग्राफ को बरकरार रखा है और इसमें कोई गिरावट नहीं आने दी है हालांकि सीटों की दृष्टि से वहां हमें विशेष सफलता नहीं मिल पाई।

झारखण्ड, गुजरात और उत्तर प्रदेश विधान सभा के उपचुनावों के नतीजे पर

बोलते हुए श्री शाह ने कहा कि गुजरात में हमने कांग्रेस से सीट छीनी है, झारखंड में दो सीटों में से एक पर हमें जीत मिली है और उत्तर प्रदेश के दो सीटों पर हम दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन एक सीट पर पिछली बार मिले 9 प्रतिशत वोट की तुलना में इस बार हमें 45 प्रतिशत वोट मिले जबकि दूसरी सीट पर पिछली बार मिले 8 प्रतिशत वोट की तुलना में इस बार हमें 37 प्रतिशत वोट मिले जो काफी उत्साहवर्धक है।

असम में मिली जबर्दस्त सफलता पर बोलते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि असम की जीत काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा कि मैं असम की जनता को आश्वस्त करता हूं कि पूरा एनडीए भाजपा के नेतृत्त्व में असम के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, हम असम में एक लोकाभिमुख सरकार देंगे और आने वाले दिनों में असम देश के विकसित राज्यों में शुमार हो सके, इसके लिए हम निष्ठावान प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि इन पांचों राज्यों में पहले हम अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाये थे, इस बार हमने इन राज्यों में 2019 के लिए सशक्त नींव रखी है, हमें विश्वास है कि 2019 में हमारे कैडर इस मजबूत नींव पर विजय की इमारत खड़ा करने में सफल होंगे और हमने इन राज्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार गांव, गरीब और किसानों के विकास के लिए संकल्पबद्ध हैं, हम इस दिशा में लगातार अच्छा काम कर रहे हैं, हम देश को विकास की राजनीति की ओर ले जाने में सफल हुए हैं और हमने भ्रष्टाचारमुक्त शासन व्यवस्था के वादे को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में भारत के मान-सम्मान बढ़ाने में प्रधानमंत्री जी को अप्रत्याशित सफलता मिली है, इससे भी भाजपा को इतना अच्छा जनादेश प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने अपनी बेसिक आइडियोलॉजी में कोई परिवर्तन नहीं किया है, भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा परफॉर्मेंस की पॉलिटिक्स की है और हम अपने विकास के एजेंडे पर ही आगे बढ़ते रहेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार गांव, गरीब और किसानों के विकास के लिए संकल्पबद्ध हैं, हम इस दिशा में लगातार अच्छा काम कर रहे हैं, हम देश को विकास की राजनीति की ओर ले जाने में सफल हुए हैं और हमने भ्रष्टाचारमुक्त शासन व्यवस्था के वादे को पूरा किया है।

श्री शाह कहा कि अध्यक्ष बनने के बाद हमारी प्राथमिकता केरल, तमिलनाडु, आंध्र, तेलंगाना, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल एवं असम में अपने संगठन को मजबूत करने की थी और हमें इस बात की खुशी है कि पिछले 17-18 महीनों में हमने इस दिशा में काफी अच्छा काम किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मैं मानता हूं कि यह हमारे लिए सकारात्मक परिणाम हैं। उन्होंने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में जीत के लिए क्रमशः सुश्री जयललिता और सुश्री ममता बनर्जी को भी बधाई दी। ■

पृष्ठ 11 का शेष...

हो सकती। उन्होंने कहा कि हर सांसद के क्षेत्र में एक लाख फ्री गैस कनेक्शन देने का काम हमारी सरकार ने किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की मोदी सरकार देश के गाँव, गरीब और किसानों की सरकार है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करके गरीबों के लिए काम करने वाली सरकार कैसी होती है, पहली बार लोगों ने यह जाना है। उन्होंने कहा कि गरीबों के जीवन के उत्थान के लिए हमने उनके लिए बैंकों के दरवाजे खोले, उन्हें सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान किया, उनकी रोजगारी के लिए अनेक योजनाएं शुरू की, उनके स्वरोजगार के लिए योजनाएं इम्प्लीमेंट की। श्री शाह ने कहा कि किसानों को समृद्ध बनाने के लिए हमने प्रधानमंत्री फसल बीमा, सॉइल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, ई-मंडी जैसी प्रभावी योजनाओं की शुरुआत की।

उन्होंने कहा कि भाजपा की राज्य सरकारें भी विकास के नए आयाम लगातार स्थापित कर रही है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम इसी तरह गरीबों की जिंदगी में खुशियां लाने के लिए उत्साह और लगन के साथ काम करते रहेंगे। ■

विधानसभा चुनाव परिणाम, 2016

कांग्रेस के लिए जबर्दस्त झटका

अरुण जेटली

पिछले दो महीनों से चल रहे पांच राज्यों के चुनाव परिणाम उम्मीद के मुताबिक ही रहे हैं। इन चुनाव परिणामों से उभरता हुआ सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक विश्लेषण कांग्रेस पार्टी के लिए एक जबर्दस्त झटका है। कांग्रेस ने केरल और असम, दोनों राज्य गंवा दिए हैं। केरल में कांग्रेस इसलिए हारी क्योंकि कांग्रेस-नीत यूडीएफ गठबंधन की सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों के दलदल में बुरी तरह फंस चुकी थी। वोट बैंक के एक स्रोत के रूप में अवैध घुसपैठियों को प्रोत्साहित करने की पारम्परिक नीति ने असम में कांग्रेस के खिलाफ जनाक्रोश पैदा किया। भारतीय जनता पार्टी, असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के बीच रणनीतिक गठबंधन ने कांग्रेस की इस ऐतिहासिक गलती को जनता के सामने उजागर किया। तमिलनाडु में डीएमके-कांग्रेस गठबंधन एक निस्तेज गठबंधन था। कांग्रेस के कमजोर स्ट्राइक रेट ने डीएमके गठबंधन को सत्ता से दूर किया। पश्चिम बंगाल में, कांग्रेस का लेफ्ट से गठबंधन विचारधारा के साथ एक समझौता था। कांग्रेस के लिए यह दांव उलटा साबित हुआ। 2014 के आम चुनावों के बाद, कांग्रेस तेजी से हाशिये पर खिसकती चली गई है। इसने शासन की स्वाभाविक पार्टी के रूप में व्यवहार ही नहीं किया, कामों में बाधा डालने की कांग्रेस की नीति उनके नेताओं के बहानेबाजी की प्रवृत्ति से आच्छादित है। कांग्रेस, आज, तेजी से हाशिये पर धकेल दिए जाने के कगार

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम उम्मीद के मुताबिक ही रहे हैं। इन चुनाव परिणामों से उभरता हुआ सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक विश्लेषण कांग्रेस पार्टी के लिए एक जबर्दस्त झटका है। कांग्रेस ने केरल और असम, दोनों राज्य गंवा दिए हैं। केरल में कांग्रेस इसलिए हारी क्योंकि कांग्रेस-नीत यूडीएफ गठबंधन की सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों के दलदल में बुरी तरह फंस चुकी थी।

पर है। क्या यह 2019 में भाजपा-नीत एनडीए गठबंधन के लिए मुख्य चुनौती बन पाएगी, या यह बस वैचारिक रूप से असमान क्षेत्रीय समूहों के उलझे संयोजन के पीछे खड़ी नजर आएगी? 'सर्जरी' का स्वरूप क्या है जिसके बारे में कांग्रेस के नेता बात कर रहे हैं? क्या कांग्रेस अपने नेताओं के समूह के साथ एक संरचनात्मक पार्टी के रूप में उभर पाएगी या फिर यह बस एक वंशवादी पार्टी ही बनी रहेगी?

भाजपा के लिए यह चुनाव एक महत्वपूर्ण भौगोलिक विस्तार के संकेत हैं। 2008 में कई लोग इस विचार को लेकर सहमत नहीं थे कि भाजपा कर्नाटक में अपनी सरकार बना सकती है। उस समय, कर्नाटक दक्षिण के लिए एक प्रवेश द्वार के रूप में देखा गया था। हम कर्नाटक में अब पुनर्वापसी की राह पर हैं। उसके बाद से हम आंध्र प्रदेश में सरकार में भागीदार हैं और केरल की राजनीति को तेजी से त्रि-ध्रुवीय मुकाबले की ओर अग्रसारित कर रहे हैं। हम निश्चित रूप से बिहार में सबसे बड़ी पार्टी हैं। पूर्व में विस्तारीकरण आंदोलन के क्रम में हम अब असम में एक सुखद बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। हम पहले से ही उत्तर-पूर्व में दो गठबंधन सरकारों का हिस्सा हैं और पश्चिम बंगाल में भी हमने सीटों एवं वोट प्रतिशत के लिहाज से बड़ी उपस्थिति दर्ज कराई है। हम क्षेत्रीय दलों की सरकारों के साथ सहयोग में काम करना चाहते हैं।

लेफ्ट वैचारिक रूप से वैश्विक स्तर पर अप्रासंगिक हो चुकी है। जिस राजनीतिक और आर्थिक मॉडल का वे समर्थन करते हैं, उसे व्यापक रूप से खारिज कर दिया गया है। भारत में उनकी यह एक वैचारिक अस्तित्व की लड़ाई है। केरल में उनकी जीत एक अलोकप्रिय सरकार के चुनाव हारने के फलस्वरूप हुई एक प्रतिद्वंद्वी की स्वाभाविक विजय है। पश्चिम बंगाल में जहां 34 वर्षों तक उनका शासन रहा, वहां उनका हाशिये पर जाना एक महत्त्वपूर्ण घटना है। जाधवपुर और जेएनयू विश्वविद्यालय में कुछ लोगों द्वारा चरमपंथ का समर्थन भारत की मुख्यधारा का एजेंडा नहीं हो सकता।

केंद्र सरकार के रूप में हमारे लिए यह इन सभी पांच राज्यों की निर्वाचित राज्य सरकारों के साथ मिलकर लोगों के व्यापक कल्याण के लिए काम करने का अवसर होगा। ■

एक भारत, श्रेष्ठ भारत की ओर...

भाजपा की गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल ने महामंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस प्रतिवेदन में 23 जनवरी 2013 से 24 जनवरी 2016 के बीच संपन्न संगठनात्मक कार्यक्रम एवं चुनाव परिणाम से संबंधित विवरण शामिल हैं। इस अवधि में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के नेतृत्व में जहां पार्टी के 11 करोड़ सदस्य बने और यह संगठनात्मक रूप से अत्यंत सशक्त हुई, वहीं श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ। हम यहां महामंत्री प्रतिवेदन का पूरा पाठ क्रमशः प्रकाशित कर रहे हैं। प्रस्तुत है अंतिम भाग:

प्रकाशन

राष्ट्रीय स्तर पर सभी पार्टी पत्रिकाओं के संपादकों की दो बार बैठक दिल्ली में संपन्न हुई। इन बैठकों में स्वयं श्री अमित शाह एवं महामंत्री (संगठन) उपस्थित रहे। पूरे देश के प्रकाशन के लिए नई कार्ययोजना तैयार हुई। पार्टी का मुखपत्र कमल संदेश हिंदी व अंग्रेजी में पाक्षिक नियमित प्रकाशित हो रहा है, जिसकी प्रसार संख्या 47000 है। 18 राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं में पार्टी की मासिक पत्रिकायें (साढ़े चार लाख संख्या) प्रकाशित हो रही हैं। दिल्ली में संपन्न राष्ट्रीय परिषद बैठक में कमल संदेश विशेषांक 'युवा भारत' का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के कर कमलों द्वारा विमोचन हुआ। पं. दीनदयाल उपाध्याय की पूण्यतिथि 11 फरवरी 2016 को पुस्तक 'युवाओं के दीनदयाल' का लोकार्पण हुआ। वैचारिक प्रबोधन के लिये बहुत बड़ा कार्य हो रहा है।

आइटी, वेबसाइट एवं सोशल मीडिया प्रबंधन विभाग

यह विभाग पार्टी के डिजिटल कम्युनिकेशन का प्लेटफार्म बन चुका है। यह बहुत ही कुशलता से पार्टी की अनेकानेक गतिविधियों को संचालित करने में सूचना प्रौद्योगिकी का उत्कृष्ट उपयोग करता है। यही नहीं, 2014 में भाजपानीत राजग सरकार बनने के बाद यह सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों, उपलब्धियां और आम जनता के बीच संवाद से संबंधित अनुसंधान कार्यों में भी संलग्न है। ऑडियो ब्रिज, ट्विटर, फेसबुक एवं प्रधानमंत्री एप्प आदि तकनीकों के माध्यम से संगठन के अन्दर तथा बाहर संवाद नियमित रूप से सुनिश्चित किया गया।

मोर्चा

महिला मोर्चा

महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की समय-समय पर बैठकें होती रही है जिनमें संगठन विस्तार एवं मोदी सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु चर्चा की गई। नारी सम्मान यात्रा पूरे देश में निकाला गया तथा महिला मोर्चा द्वारा सफलतापूर्वक सदस्यता अभियान चलाया गया।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा

पहली बार पिछड़ा वर्ग मोर्चे का गठन हुआ। पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने देशभर में अपने संगठन का विस्तार किया। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष प्रो. एस.पी. बघेल का देश भर में प्रवास हुआ। अनेक सम्मेलनों का आयोजन किया गया ताकि पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग में भाजपा का अधिक से अधिक जनाधार बढ़ सके।

भारतीय जनता युवा मोर्चा

पार्टी द्वारा चलाए गये सदस्यता अभियान में भाजयुमो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विशेष सदस्यता अभियान चलाकर सदस्यता अभियान को तेज गति दी। मोदी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजयुमो ने युवा-केन्द्रित 5 सरकारी योजनाओं को लेकर पंच क्रांति अभियान (योग क्रांति, कौशल क्रांति, निर्माण क्रांति, कन्या शक्ति क्रांति, स्वच्छता क्रांति) चलाया जिसके तहत सैकड़ों कार्यक्रम आयोजित किये गये। इंडिया फर्स्ट - भाजयुमो राष्ट्रीय अधिवेशन में लगभग 12000 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी एवं समारोप वित्त मंत्री श्री अरूण जेटली जी ने किया। देश भर में राष्ट्र विरोधी ताकतों को चुनौती देते हुए वृंदावन, शिमला, गुजरात, चंडीगढ़, जोधपुर, मुम्बई एवं कई अन्य स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किये गए।

किसान मोर्चा

मोर्चा द्वारा किसान सम्मेलन तथा किसान संघों के साथ बराबर बैठके और चर्चा होती रही। किसान आत्महत्या, बाढ़ और सूखे से प्रभावित राज्यों का दौरा भी किया गया। सरकार द्वारा किसानहित में चलाये जा रहे योजना जैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का प्रचार प्रसार किया गया। किसान सम्मेलनों और सभाओं में भाजपा शासित राज्यों और केन्द्र

सरकार के उपलब्धियों की जानकारी दी गयी। किसान की समस्याओं को लेकर विभिन्न राज्यों में बराबर धरने, प्रदर्शन, ज्ञापन इत्यादि किया गया। किसान जागरण सप्ताह द्वारा किसान मोर्चा की उपलब्धियों को गांव-गांव तक पहुंचाया गया।

अल्पसंख्यक मोर्चा

अल्पसंख्यक मोर्चे ने एक ओर सदस्यता अभियान, महासम्पर्क अभियान जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई वहीं दूसरी ओर नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में चल रही एनडीए सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजना जैसे स्वच्छ भारत अभियान, जन-धन योजना, प्रधानमंत्री महिला सुरक्षा बीमा और विशेषकर अल्पसंख्यक मंत्रालय, मानव संसाधन मंत्रालय, कौशल विकास मंत्रालय द्वारा अल्पसंख्यक समाज के उत्थान के लिए चलाई जाने वाली सभी योजनाओं का प्रचार किया ताकि अल्पसंख्यक समाज और अधिक संख्या में भाजपा के साथ जुड़ सके।

अनुसूचित जाति मोर्चा

नियमित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठकें एवं प्रवास के साथ-साथ दलित महिला सम्मेलन का दिल्ली में आयोजन हुआ जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री रामलाल उपस्थित थे। इसके साथ ही भाजपा शासित राज्य एवं गठबंधन सरकारों के मंत्रियों एवं सांसदों की बैठकें एवं कार्यशालाएं आयोजित की गई। 14 अप्रैल को बड़े ही धूम-धाम से मोर्चा ने सभी प्रदेशों व अन्य स्तरों पर पूरे देशभर में डॉ. अंबेडकर जयन्ती मनाई गई। 26 नवम्बर संविधान दिवस पर मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश के साथ कार्यक्रम किए। मोर्चा की ओर से एक स्मारिका मई 2015 में राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में विमोचन किया गया।

अनुसूचित जनजाति मोर्चा

महान स्वतंत्रता सेनानी रानी गाईडिल्यू के जन्मशताब्दि वर्ष के अवसर पर 8 अक्टूबर 2015 को सेनापति जिले, मणिपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। 17 नवम्बर 2015 को मानगढ़ में अंग्रेजों द्वारा घेरकर, धोखे से मारे गए आदिवासियों की श्रद्धांजलि सभा, मानगढ़धाम बांसवाड़ा, राजसीान में आयोजित किया गया। मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक बनाने हेतु केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजने और प्रदेश की ओर से आदिवासी संग्रहालय बनाने की घोषणा हुई। भारत में जनजाति वर्ग के विकास हेतु नीतियां एवं उनके क्रियान्वयन हेतु केन्द्र में भाजपा सरकार द्वारा किए गए अब तक के प्रयासों का प्रचार-प्रसार हेतु प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई।

आह्वान

पूरे देश ने भारतीय जनता पार्टी और श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया है। हम सबके कंधों पर उस विश्वास का दायित्व है। जन-जन की आकांक्षाओं को पूरा कर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार करने में सरकार एवं संगठन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। भारत हर क्षेत्र में तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर हुआ है। कार्य संस्कृति में परिवर्तन देखा जा रहा है तथा सरकारी तंत्र उत्साहजनक वातावरण में परिणामकारक कार्य में जुट गये हैं। देश के सर्वांगीण विकास एवं विभिन्न वर्गों को ध्यान में रखकर अनेक अभिनव योजनाएं परिणाम दे रही है। बंद पड़ी एवं अवरुद्ध योजनाएं पुनर्जीवित की गईं हैं और देश से नकारात्मकता एवं निराशा का माहौल खत्म हो गया है। किसान हो या श्रमिक, कुशल हो या अकुशल, रोजगार प्राप्त हो या बेरोजगार- सब सरकार की प्राथमिकताओं में है। गांव, गरीब, किसान, युवा, दलित, जनजाति एवं महिलाएं - हर वर्ग के उत्थान के लिए विशेष योजनाएं तीव्र गति से चल रही है। मोदी सरकार ने आशा एवं विश्वास का एक नया युग प्रारंभ किया है।

भाजपा का हर कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के कार्य से जुटकर विकसित, समृद्ध, भ्रष्टाचार मुक्त तथा वैभवशाली भारत के निर्माण के प्रति कृतसंकल्प है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के नेतृत्व में संगठन का नये क्षेत्रों में विस्तार हो रहा है तथा एक सुसंगठित समर्पित एवं लक्ष्य प्राप्ति को तत्पर संगठन की कल्पना को प्रभावी तरीके से मूर्तरुप देने के कार्य चल रहे हैं। बदलती परिस्थतियों में नई चुनौतियों को स्वीकार करना हमारे कार्यकर्ताओं के लिए नयी बात नहीं है। हम विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने के साथ-साथ एक सशक्त संगठन हैं जो उत्कृष्टता के मानदण्डों पर अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है। जैसा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लाल किले के प्राचीर से अपने पहले संबोधन में कहा था कि 'राष्ट्र की नियति' पूरे विश्व के कल्याण की है उसी दिशा में संगठन निरंतर प्रयासरत है। मां भारती की सेवा और उपासना का व्रत लिए हुए हम सभी उसी विराट विचार की साधना में लगे हुए हैं। विरोध के स्वर आते-जाते रहेंगे। हम अपने कर्म पर अडिग रहें।

ध्येय के आलोक से ही, है प्रकाशित पंथ अपना।
राष्ट्र को सर्वस्व अर्पित, क्या रहा अब शेष अपना।।
दीप जीवन का जला कर, मातृभू की अर्चना है।
चिर विजय की कामना, कर्म ही आराधना है।।

समाप्त

प्रधानमंत्री की ईरान यात्रा

भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह समेत 12 समझौतों पर हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22-23 मई की दो दिवसीय ईरान यात्रा अत्यंत सफल रही। इस यात्रा के दौरान भारत-ईरान के बीच 12 समझौते हुए। इसमें महत्वपूर्ण चाबहार पोर्ट को लेकर हुआ समझौता भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि दक्षिणी ईरान के चाबहार बंदरगाह से पाकिस्तान से गुजरे बगैर भारत अफगानिस्तान और यूरोप तक संपर्क कायम कर सकेगा। चाबहार बंदरगाह के विकास से जुड़े द्विपक्षीय समझौते के अलावा भारत, अफगानिस्तान और ईरान ने परिवहन और ट्रांजिट कॉरिडोर पर एक त्रिपक्षीय समझौते पर दस्तखत किए।

साथ ही एक एल्युमिनियम संयंत्र की स्थापना और अफगानिस्तान एवं मध्य एशिया तक भारत को पहुंच कायम करने देने के लिए एक रेल लाइन बिछाने को लेकर भी द्विपक्षीय समझौते हुए। इन समझौतों का मकसद अलग-अलग क्षेत्रों, जिसमें अर्थव्यवस्था, व्यापार, परिवहन, बंदरगाह विकास, संस्कृति, विज्ञान एवं शैक्षणिक सहयोग शामिल हैं, में भारत-ईरान के रिश्तों को गहरा बनाना है। इस यात्रा के दौरान दोनों देश कट्टरपंथ और आतंकवाद से लड़ने में सहयोग पर भी सहमत हुए। इसके अलावा पर्यटन और हिंदी की पढ़ाई पर भी बातचीत हुई और रेलवे को लेकर भी समझौता हुआ।

परिवहन और ट्रांजिट कॉरिडोर समझौते के बारे में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे क्षेत्र के इतिहास की धारा बदल सकती है। भारत चाबहार बंदरगाह के लिए 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा। गौरतलब है कि श्री मोदी की यह यात्रा पिछले 15 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय ईरान यात्रा है।

यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत और ईरान नये दोस्त नहीं हैं। हमारी दोस्ती इतिहास जितनी ही पुरानी है। सदियों से हमारे समाज कला, स्थापत्य कला, विचार और परंपराओं, संस्कृति और वाणिज्य के माध्यम से जुड़े रहे हैं। दोस्तों और पड़ोसियों के रूप में एक दूसरे की प्रगति और समृद्धि, खुशी और दुख में हमारे साझा हित रहे हैं। हम यह कभी नहीं भूल सकते कि जब मेरे राज्य गुजरात में 2001 में भीषण भूकंप आया था तो ईरान सहायता करने वाले

पहले देशों में से एक था। इसी प्रकार भारत को भी ईरान की विपदा के समय ईरान के लोगों के साथ खड़े होने पर गर्व है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत और ईरान की इस क्षेत्र की शांति स्थिरता और समृद्धि में भी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। हमने क्षेत्र में अस्थिरता, कट्टरपंथ और आतंक फैलाने वाली ताकतों से संबंधित चिंताओं को भी साझा किया है। हम आतंकवाद, कट्टरपंथ, नशीली दवाओं की तस्करी और साइबर अपराधों की चुनौतियों का सामना करने के बारे में नियमित रूप से विचार-विमर्श करने के लिए भी सहमत हो गए हैं। हमने क्षेत्रीय और समुद्री सुरक्षा के बारे में हमारे रक्षा और सुरक्षा संस्थानों के मध्य बातचीत को आगे बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की है।

23 मई को चाबहार संपर्क समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कॉरिडोर से इस समूचे क्षेत्र में वाणिज्य का निर्बाध प्रवाह काफी तेज हो जाएगा। पूंजी एवं प्रौद्योगिकी के प्रवाह से चाबहार में नये औद्योगिक बुनियादी समझौतों से हासिल होने वाले आर्थिक लाभ के दायरे में हमारे तीनों राष्ट्रों के अलावा भी कई अन्य क्षेत्र होंगे। इसकी पहुंच मध्य एशियाई देशों की गहराइयों तक भी हो सकती है। यह दायरा जब अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरिडोर से जुड़ जाएगा, तो यह एक किनारे पर दक्षिण एशिया को और दूसरे किनारे पर यूरोप को छूने लगेगा।

उन्होंने कहा कि परंपरागत समुद्री मार्गों की तुलना में यह कॉरिडोर यूरोप के साथ होने वाले कार्गो व्यापार की लागत एवं समयावधि में तकरीबन 50 प्रतिशत की कमी कर सकता है। आगे चलकर हम इसे मजबूत समुद्री एवं भूमि आधारित उन मार्गों से भी जोड़ सकते हैं, जिन्हें भारत ने हिंद महासागर क्षेत्र एवं दक्षिण पूर्वी एशिया के साथ मिलकर विकसित किया है। ■

भाजपा का राष्ट्रपति से केरल में हिंसात्मक घटनाएं रोकने का आग्रह

भाजपा प्रतिनिधिमण्डल ने राष्ट्रपति को केरल हिंसा पर सौंपा ज्ञापन

भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय प्रतिनिधिमण्डल माननीय राष्ट्रपति का ध्यान केरल राज्य में चल रही चरम अव्यवस्था की ओर दिलाना चाहता है, जहां 16 मई के बाद राज्य विधानसभा चुनावों में हिंसा की कई गुणा हिंसा देखने में आई है। 19 मई को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और

38 वर्षीय स्वयंसेवक प्रमोद की हत्या त्रिसूर जिले में केवमंगलम के निकट एडाविलंगु कुन्नेनी में एलडीएफ प्रत्याशी के विजय समारोह के दौरान सीपीएम समर्थकों द्वारा कर दी गई।

प्रमोद पर उनके सिर पर ईंटें मार कर हमला किया गया और उन्हें तुरन्त कोडंगलूर के अस्पताल में संकटग्रस्त स्थिति में ले जाया गया और उसके बाद उन्हें इटीजंलकुडा के एक अन्य हस्पताल ले जाया गया और उनकी अचेत अवस्था होने पर उन्हें त्रिसूर के एक तीसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

जबकि यह घटना एलडीएफ सरकार द्वारा छेड़ी चुनावों के बाद की चुनावी हिंसा के कुछ मामलों से जुड़ी है, जो केरल में यूडीएफ के बाद सत्ता में आई है। भाजपा और रा.स्व.सं. के 100 से अधिक कार्यकर्ताओं का इतिहास है, जिन्हें निर्ममतापूर्वक मारा गया और राष्ट्रीय विचारधारा के प्रति वचनबद्ध होने के कारण उन्हें अपंग बना दिया गया और इस प्रकार के हमलों की अनेक घटनाएं हुई हैं और इसमें वामपंथी मोर्चे के कार्यकर्ताओं की हत्याएं की गई हैं।

चुनावों के पूर्व ही भाजपा कार्यकर्ता ई.के. बीजू, जो स्कूल के बच्चे (यह बच्चे सभी 10 वर्ष के कम आयु के थे) ऑटोरिक्शा में जा रहे थे, जब कन्नूर जिले के सीपीएम कार्यकर्ताओं ने रास्ते में हमला कर दिया और सार्वजनिक रूप से उन्हें मौत के घाट उतार दिया तथा इन मासूम बच्चों के बैग और यूनीफार्म पर खून के छींटे देखे जा सकते हैं। हाल के चुनावों में सीपीएम नेतृत्व द्वारा फैलाई गई हिंसा पर चुनाव आयोग को अनेक रिप्रेजेण्टेशन दिए हैं। अब वामपंथी मोर्चे द्वारा सत्ता संभालने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर बड़े पैमाने पर हिंसा देखने में आई है।

राज्य में भाजपा की बढ़ती उपस्थिति के कारण बाईपोलर चुनाव को त्रिपोलर चुनावों में बदलने के कारण वामपंथी पार्टियों को राज्य में बड़े पैमाने पर हिंसा फैलाने का अवसर मिल गया है जबकि भाजपा कानून व्यवस्था कायम करने की इच्छुक है और राज्य में स्थिर विकास और वृद्धि के लिए स्थायी शांति चाहती, जिसे कि अब सत्ताधारी वामपंथी सरकार ने जाहिरी तौर पर विकृत कर दी है।

आमतौर पर और विशेष रूप से कसार गोड, कन्नुर, कोट्टयाम, चलाकुडी आदि में विशेष रूप से सीपीएम कार्यकर्ता के खिलाफ चल रहे मामलों की कोई जांच पड़ताल नहीं हुई है जबकि जो लोग इस प्रकार की भड़काऊ घटनाओं के लिए जिम्मेदार रहे हैं उन्हें पूर्णत: मुक्त कर दिया गया है। ऐसी आम धारणा है कि वामपंथी सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर संगठित जिहाद देखने में आ सकता है, ताकि इस प्रकार की हिंसात्मक घटनाओं द्वारा भाजपा की बढ़ती ताकत को समाप्त किया जा सके।

हम माननीय राष्ट्रपति से आग्रह करते हैं कि वह रिपोर्ट मंगवाए और भाजपा कार्यकर्ताओं पर और आगे हिंसात्मक घटनाएं रोकें तथा सुनिश्चित करें कि राज्य में कानून व्यवस्था बनी रहे और सरकार संविधान के अन्तर्गत निष्पक्षता का व्यवहार बरते।

भाजपा प्रतिनधिमंडल में केन्द्रीय मंत्रीगण श्री नितिन गडकरी, श्री जेपी नड्डा, श्री राजीव प्रताप रूडी, श्रीमती निर्मला सीतारमन, सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री एम.जे. अकबर एवं केरल प्रदेश भाजपाध्यक्ष श्री के. राजशेखर शामिल थे। ■